लखनऊ, गुरूवार, 13 अप्रैल 2023 | Email: starexpressnews@gmail.com | वर्ष : 16 अंक : 50 | पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रूपया

हिन्दी दैनिक/डिजिटल

स्टार एक्सप्रेस

सोच..... बदलते भारत की

www.starexpress.news

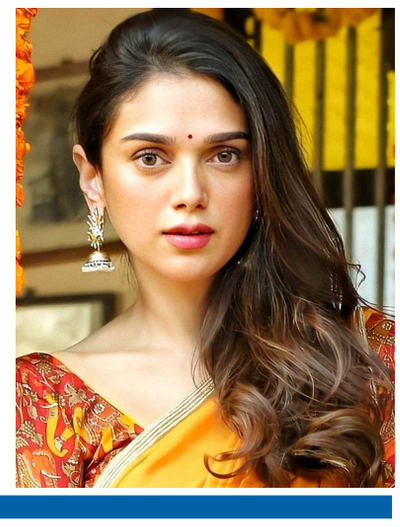

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के लिए मुसीबत बना अपना विधायक

(एजेंसी) भोपाल। मध्यप्रदेश में विधानसभा के चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, नेताओं के बगावती तेवर भी खुलकर सामने आने लगे हैं। विंध्य क्षेत्र से नाता रखने वाले भाजपा विधायक नारायण त्रिपाठी ने भी बगावती बिगुल फूंक दिया है और विंध्य जनता पार्टी नाम की पार्टी के गठन का भी ऐलान कर दिया है। विंध्य क्षेत्र में भाजपा के लिए भी मुसीबत बन सकते हैं। भाजपा विधायक त्रिपाठी बीते काफी समय से पार्टी के सामने लगातार चुनौतियां पेश कर रहे हैं। वे सतना जिले की मैहर विधानसभा सीट से वर्तमान में विधायक हैं, इससे पहले वह दूसरे दलों के उम्मीदवार के तौर पर भी निर्वाचित हो चुके हैं।

दिल्ली में बम की धमकी के बाद स्कूल को खाली कराया

(एजेंसी) नई दिल्ली। दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में स्थित एक स्कूल को बुधवार सुबह बम मिलने की खबर के बाद खाली करा लिया गया है। पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ता और अन्य एजेंसियां ऐसे किसी विस्फोटक पदार्थ की तलाश के लिए स्कूल का निरीक्षण कर रही हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीआरटी रोड पर स्थित इंडियन स्कूल के बृजेश नाम के एक व्यक्ति ने उन्हें ईमेल की जानकारी दी, जिसमें स्कूल परिसर में बम होने की बात कही गई थी। अधिकारी ने बताया कि ई-मेल सुबह करीब 10 बजकर 49 मिनट पर प्राप्त हुआ था। अधिकारी ने बताया कि स्कूल को खाली करा लिया गया है और संबंधित टीम द्वारा स्कूल परिसर की जांच की जा रही है।

छात्र नेता की पीट-पीटकर हत्या का मामला, 9 नामजद आरोपियों में 7 आरोपी गिरफ्तार

बलिया। उत्तर प्रदेश में आपराधिक मामले थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। ताज मामला बलिया जिले का है, जहां पर जिले में एक डिग्री कॉलेज के प्रवेश द्वार पर परीक्षा देकर निकल रहे समाजवादी पार्टी के एक छात्र नेता की हत्या कर दी गई। अब पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी सहित 7 आरोपियों को हिरासत में लिया है। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक आर के नैय्यर ने बताया कि पुलिस छात्र नेता की हत्या करने के मामले में मुख्य आरोपी सहित 7 आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। नैय्यर के मुताबिक, बलिया शहर कोतवाली क्षेत्र के सतीश चंद्र महाविद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर पूर्वान्ह परीक्षा देकर लौट रहे बीए तृतीय वर्ष के छात्र हेमंत यादव (23) और आलोक यादव (20) पर हमला हुआ था। उन्होंने बताया कि हमले में दोनों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

राहुल-खड़गे से मिले नीतीश कुमार व तेजस्वी यादवय एजेंडे पर विपक्षी एकता

(एजेंसी) नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डिप्टी तेजस्वी यादव के साथ बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। खड़गे के आवास पर हुई बैठक में जनता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष ललन सिंह, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज झा और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद भी मौजूद रहे। नीतीश-तेजस्वी से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह विपक्ष को एक करने की दिशा में कदम है। देश में विचारधारा की लड़ाई चल रही है।

रेलवे को राजनीति का अखाड़ा बना दिया गया था : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने अजमेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस का किया उदघाटन

(एजेंसी)

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में रेलवे भर्तियों में राजनीति व भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि रेलवे को राजनीति का अखाड़ा बना दिया गया था। मोदी ने कहा कि रेलवे में हालात 2014 के बाद बदलने शुरू हुए जब देश के लोगों ने केंद्र में स्थिर सरकार बनवाई। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे का कायाकल्प होते देखकर हर भारतवासी गर्व से भरा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को अजमेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन कार्यक्रम को दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देश की 15वीं और राजस्थान की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मोदी ने रेलवे में राजनीति को लेकर पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधा। मोदी ने कहा, 'यह हमारे देश का दुर्भाग्य रहा है कि रेलवे जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था, जो सामान्य मानवीय जीवन का इतना बड़ा हिस्सा है, उसे भी राजनीति का अखाड़ा बना दिया गया था। आजादी के बाद भारत को एक बड़ा रेलवे नेटवर्क मिला था। लेकिन रेलवे के आधुनिकीकरण पर हमेशा राजनीतिक स्वार्थ हावी रहा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ से तय किया जाता था कि कौन रेल मंत्री बनेगा कौन नहीं बनेगा, कौन सी ट्रेन किस स्टेशन पर चलेगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ ने ही बजट में ऐसी-ऐसी ट्रेनों की घोषणा करवाई जो कभी चली ही नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हालत यह थी कि रेलवे की भर्तियों में राजनीति होती थी, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होता था। गरीब की जमीन छीन कर उन्हें रेलवे में नौकरी का झांसा दिया गया। रेलवे की सुरक्षा... स्वच्छता रेलवे प्लेटफार्म की स्वच्छता सबकुछ को नजरअंदाज कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार आने के बाद हालात बदले। मोदी ने कहा, 'इन सारी परिस्थितियों में बदलाव वर्ष 2014 के बाद आना शुरू हुआ है जब देश के लोगों ने स्थिर सरकार, पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनवाई।

मोदी सरनेम मामले में राहुल को 25 अप्रैल को अदालत में उपस्थित होने का आदेश

(एजेंसी)

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जहां दिल्ली में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से मिल रहे हैं, वहीं बिहार की एक अदालत ने मानहानि के एक मामले में राहुल को 25 अप्रैल को हाजिर होने का आदेश दिया है। पटना एमपी एमएलए अदालत ने राहुल गांधी को मानहानि के एक मामले में बुधवार को हाजिर होने का आदेश दिया था, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए। इस मामले की अगली सुनवाई 25 अप्रैल को होगी। अदालत ने इस दिन राहुल को पेश होने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि पटना की एमपी-एमएलए अदालत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफबिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने 2019 में मानहानि का मुकदमा दायर किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने कर्नाटक की जनसभा में मोदी सरनेम वालों को चोर कहा था। मोदी के अधिवक्ता एस.डी. संजय ने बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान अदालत को कहा कि गांधी जान बूझकर मामले को लम्बा खींचने को लेकर अदालत में नहीं आ रहे हैं। उन्होंने अदालत से उनकी जमानत को रद्द करते हुए उनके विरुद्ध गैरजमानतीय अधिपत्र जारी किये जाने का अनुरोध किया। इधर, राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस मामले में राहुल की पेशी की तारीख आगे बढ़ाने का अनुरोध किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 25 अप्रैल को होगी।

असम पीएम मोदी 14 अप्रैल को बिहू समारोह में होंगे शामिल, करोडों की परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

(एजेंसी)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को पूर्वोत्तर राज्य असम की यात्रा पर जाएंगे। पीएमओ की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी 14,300 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी करीब 12 बजे एम्स गुवाहाटी पहुंचेंगे और इसके नवनिर्मित परिसर का निरीक्षण करेंगे। बाद में एक सार्वजनिक समारोह में, वह एम्स गुवाहाटी और तीन अन्य मेडिकल कॉलेजों को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। एम्स, गुवाहाटी का संचालन असम और पूरे उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। वह असम एडवांस्ड हेल्थ केयर इनोवेशन इंस्टीट्यूट (एएएचआई) की आधारशिला भी रखेंगे और पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना कार्ड वितरित करके आपके द्वार आयुष्मान अभियान शुरू करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, गुवाहाटी में गुवाहाटी हाईकोर्ट के प्लैटिनम जयंती समारोह के कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान, वह नामरूप में 500 टीपीडी मेन्थॉल संयंत्र को चालू करने के अलावा पलाशबाड़ी और सुआलकुची को जोड़ने वाली ब्रह्मपुत्र नदी पर पुल की आधारशिला रखने सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं जैसे रंग घर, शिवसागर के सौंदर्यीकरण परियोजना का शिलान्यास करेंगे तथा पांच रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

तय समय से पहले पूरा हो जाएगा राम मंदिर निर्माण कार्य

(संवाददाता) अयोध्या। रामभक्तों का सपना साकार हो रहा है, जनवरी 2024 में रामलला अपने गर्भगृह में विराजमान हो जाएंगे। जिसके लिए तेज गति से मंदिर निर्माण कार्य जारी है और छत की ढलाई का कार्य शुरू हो चुका है। अब प्रभु श्रीराम का भव्य और दिव्य मंदिर आकार लेता दिखाई दे रहा है। हालांकि छत की ढलाई के कार्य में लगभग 4 महीने का समय लगेगा।आज हम आपको राम मंदिर निर्माण की ताजा तस्वीर दिखाएंगे और इस तस्वीर में देखिए कि राममन्दिर किस तरह से भव्य स्वरूप लेता दिखाई दे रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने बताया कि मन्दिर की छत ढलाई कार्य में कर्नाटक के मार्बल से किया जा रहा है।

उ.प्र. में कोविड की स्थिति नियंत्रण में, मगर सतर्क रहना जरूरी : मुख्यमंत्री

(संवाददाता)

लखनऊ। देश के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि की खबरों के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की स्थिति नियंत्रण में है लेकिन सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय कोविड सलाहकार समिति और उच्चस्तरीय टीम-9 के साथ प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की स्थिति की समीक्षा की।

आदित्यनाथ ने इस दौरान कहा कि पिछले कुछ समय से देश के विभिन्न राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढोत्तरी देखी जा रही है। हालांकि उत्तर प्रदेश में स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने कहा, यहां न केवल संक्रमण की दर कम है, बल्कि जो संक्रमित मरीज मिल रहे हैं, उनकी स्थिति भी सामान्य है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक यह स्थिति घबराने की नहीं सतर्क और सावधान रहने की है। योगी ने कहा, ''इस वक्त उत्तर प्रदेश में कोविड के 1,791 मरीज उपचाराधीन हैं और अप्रैल माह में अब तक संक्रमण की दर 0.65: रही है। मगर पिछले अनुभवों को देखते हुए यह जरूरी होगा कि हम हर स्तर पर सतर्क रहें। सभी को सचेत रहने की सलाह देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, वाराणसी, आगरा और मेरठ जनपद में विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा कोविड-19 रोधी टीकाकरण हुआ है लिहाजा इस राज्य में बीमारी के गंभीर खतरे की आशंका कम है, इसके बावजूद सभी को कोविड प्रोटोकोल का पालन करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सलाह दी कि गंभीर रोग से ग्रस्त लोग और वृद्धजन भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में आने-जाने से जहां तक हो सके परहेज करें और अस्पतालों में मास्क लगाना अनिवार्य किया जाए।

अतीक के 6 करीबियों के यहां ईडी रेड

बिल्डर संजीव अग्रवाल के घर 1 करोड़ कैश मिलने की सूचना, सपा नेता के यहां भी मिला कैश

(संवाददाता)

प्रयागराज। माफिया अतीक के अकाउंटेंट रहे सीताराम शुक्ला के यहां ईडी की छापेमारी जारी है। माफिया अतीक अहमद के यूपी में एंट्री करते ही ईडी फिर से छानबीन करना शुरु कर दी है।

बुधवार सुबह से ही अतीक के 6 करीबियों के ठिकानों पर छापेमारी जारी है। पीवीआर के मालिक संजीव अग्रवाल के साथ अन्य कई रडार पर इनमें शहर के बड़े बिल्डर और पीवीआर के मालिक संजीव अग्रवाल भी शामिल हैं। उनके यहां से ईडी को एक करोड़ कैश और हीरे-सोने के जेवर मिलने की सूचना है। पुलिस फोर्स ने संजीव अग्रवाल का बंगला अपने कब्जे में ले लिया है। कहा जा रहा है कि संजीव अग्रवाल ने अपनी अधिकतर मिल्कियत नजूल की संपत्तियों पर खड़ी की है। इसके अलावा सपा नेता और बसपा के पूर्व विधायक आसिफ जाफरी,अतीक के रिश्तेदार खालिद जफर, वकील खान सौलत हनीफ अकाउंटेंट सीताराम शुक्ला और गुलफुल प्रधान के यहां भी छापेमारी चल रही है।

यह छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले के संबंध में है। कसारी मसारी के कालिंदीपुरम इलाके में अतीक के करीबी रिश्तेदार खालिद जफर के घर पर भी छापेमारी चल रही है। 120 फीट रोड पर खालिद जफर का 3 मंजिला आलीशान बंगला है। तीन गाड़ियों से बुधवार सुबह ईडी के करीब 18 अधिकारी पहुंचे हैं।अधिकारियों के पहुँचते ही इलाके में हलचल से मच गई। खालिद जफर अतीक की प्रॉपर्टी का काम देखता है। अधिकारियों ने परिवार के सदस्यों के मोबाइल जब्त कर लिए हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है। सुबह 7 बजे से खालिद जफर के घर पर छापेमारी चल रही है। सूत्रों का कहना है कि अतीक के 10 से ज्यादा ठिकानों पर भी छापेमारी चल रही है। लूकरगंज में सीताराम शुक्ला के यहां छापेमारी चल रही है। घर के बाहर फोर्स तैनात है। अतीक के वकील के यहां भी ईडी पहुंची अतीक अहमद के वकील रहे खान सौलत हनीफ के घर पर भी ईडी की छापेमारी चल रही है। कबीर मंदिर चौराहा राजरूपपुर में सौलत हनीफका घर है। सौलत हनीफ भी उमेश पाल अपहरण मामले में उम्रकैद की सजा पा चुका है। इस समय सौलत हनीफ नैनी सेंट्रल जेल में बंद है।

❑ पीवीआर के मालिक संजीव अग्रवाल के साथ अन्य कई रडार पर इनमें शहर के बड़े बिल्डर और पीवीआर के मालिक संजीव अग्रवाल भी शामिल हैं

पहली सूची जारी होने के बाद कर्नाटक भाजपा में बगावत

बेंगलुरु। एक ओर जहां पहली सूची जारी करने के बाद भाजपा को टिकट न पाने वाले कुछ वरिष्ठ नेताओं की बगावत का सामना करना पड रहा है, वहीं विपक्षी कांग्रेस असंतुष्ट नेताओं को साधने के लिए तैयार है। बीजेपी एमएलसी और पूर्व उप मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावडी ने घोषणा की है कि वह इस्तीफा दे देंगे। पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार ने भी कहा है कि वह चुनाव लडेंगे, चाहे कुछ भी हो। दोनों नेताओं के विद्रोही कदम से उत्तरी कर्नाटक और किट्टर क्षेत्र में पार्टी को भारी नुकसान की संभावना है। दोनों नेता लिंगायत समुदाय से आते हैं और दशकों से भाजपा के साथ हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस भाजपा के उन मौजूदा विधायकों को पार्टी में शामिल करने की पूरी तैयारी में है।

बठिंडा सैन्य ठिकाने पर गोलीबारी में 4 लोगों की मौत

पुलिस ने कहा 'आपसी गोलीबारी की घटना

(एजेंसी)

बठिंडा। पंजाब के बठिंडा में सैन्य ठिकाने पर बुधवार सुबह हुई गोलीबारी में 4 लोगों की जान चली गई। राज्य पुलिस ने इसे आपस में हुई गोलीबारी की घटना बताया है। सेना ने बताया था कि गोलीबारी की घटना सुबह करीब साढ़े चार बजे हुई, जिसके बाद त्वरित प्रतिक्रिया दल तत्काल सक्रिय हो गए और उन्होंने इलाके की घेराबंदी की। सेना के दक्षिण पश्चिमी कमान ने एक बयान में कहा, 'इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में सेना के चार जवानों की जान चली गई। किसी अन्य के घायल होने या संपत्ति को किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। बयान के अनुसार, दो दिन पहले गुम हुई एक इंसास राइफल की 28 गोलियों के अलावा, मामले से जुड़े सभी संभावित पहलुओं का पता लगाया जा रहा है। पंजाब के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एस.पी.एस परमार ने बताया, 'यह कोई आतंकवादी हमला नहीं है, किसी बाहर वाले ने हमला नहीं किया। यह आपस में हुई गोलीबारी की घटना है।श् उन्होंने कहा, 'हम सेना के अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं। बठिंडा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गुलनीत सिंह खुराना ने बठिंडा में पत्रकारों से कहा, 'यह कोई आतंकवादी हमला नहीं है। यह एक आंतरिक मामला है, यह आपस में हुई गोलीबारी का मामला प्रतीत होता है। हमारे जांच दल सभी फॉरेंसिक उपकरणों के साथ (सैन्य स्टेशन) अंदर पहुंच गए हैं। जांच की जा रही है। सेना ने कहा कि इलाके को सील कर दिया है और मामले के तथ्यों का पता लगाने के लिए पंजाब पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त जांच की जा रही है।

पुलिस ने मुठभेड़ में ढाई लाख के इनामी माफिया को ढेर किया

गोलीबारी में पांच पुलिसकर्मी घायल

(एजेंसी) बिजनौर। उत्तर प्रदेश में पिछले साल पुलिस हिरासत से फरार हुए प्रदेश स्तरीय माफिया आदित्य राणा को एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया है। उसपर ढाई लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की तरफसे की गई गोलीबारी में पांच पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बुधवार को बताया, 11-12 अप्रैल की रात बिजनौर पुलिस की आदित्य राणा गिरोह के साथ मुठभेड़ हुई जिसमें राणा को घायल अवस्था में पुलिस ने हिरासत में लिया और उसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई है। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर मंगलवार देर रात को स्योहारा थाना पुलिस ने बुढनपुर में आदित्य राणा के ठिकाने की घेराबंदी की तो बदमाशों ने पुलिस पर गोलीबारी कर दी। जादौन ने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गिरोह का सरगना राणा गोली लगने से घायल हो गया जबकि बाकी बदमाश जंगल की ओर भाग गये। पुलिस फरार बदमाशों की तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में पांच पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, राणा 2022 में अदालत में पेशी के दौरान पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। जब लखनऊ पुलिस उसे बिजनौर अदालत में पेश कर वापस ले जा रही थी तभी शाहजहांपुर के थाना रामकिशन मिशन क्षेत्र में एक ढाबे से राणा पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था।

संपादकीय

लोकतंत्र का प्रहसन

यह विडंबना ही है कि संसद के दोनों सदनों में बजट सत्र का दूसरा भाग पूरी तरह राजनीतिक गतिरोध की भेंट चढ़ गया। यूं तो विभिन्न मुद्दों पर गतिरोध के चलते विपक्षी दलों का हंगामा करना आम बात है। लेकिन संभवतरू यह पहली बार है कि सत्तापक्ष विरोध में विपक्ष जैसी भूमिका में नजर आया। राहुल गांधी द्वारा ब्रिटेन में दिये गये कथित अनुचित बयानों के लिये माफी मंगवाने के मुद्दे पर सत्ता पक्ष अड़ा रहा। जिसके चलते संसद का कार्य सुचारु रूप से नहीं चल सका। वहीं विपक्ष भी अडाणी के साम्राज्य पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट से उपजे विवाद पर संयुक्त संसदीय समिति के गठन की मांग को लेकर अड़ा रहा है। निस्संदेह, यह गतिरोध लोकतंत्र के प्रहसन जैसी स्थिति उत्पन्न करता है। सत्ता से बाहर बैठे विपक्ष में सत्ता पक्ष के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाना आसानी से समझ आता है लेकिन सत्ता पक्ष का यह व्यवहार आम बात नहीं है। सत्तापक्ष लगातार राहुल गांधी से माफी मांगने पर अड़ा रहा। निस्संदेह, अक्सर राहुल गांधी विवादों के मुद्दों पर हमला करने के लिये एक लाइन का पंच दोहरा देते हैं, लेकिन उसमें एक परिपक्व राजनेता जैसी धीर-गंभीरता नजर नहीं आती। निस्संदेह, उठाये गये मुद्दे को आम लोगों को स्पष्ट करने के लिये जो व्याख्या की जरूरत होती है, वह नदारद रहती है। बहुत संभव है कुछ लोग मानते हों कि राहुल गांधी को सरकार व भारतीय लोकतंत्र को लेकर विदेश में ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए थी। निस्संदेह, विदेशी ताकतें इन बयानों व आंकड़ों को अपनी सुविधा के हिसाब से भारतीय हितों के विरुद्ध प्रयोग कर सकती हैं। लेकिन संसद मे हंगामा करने के बजाय सत्ता पक्ष को राहुल गांधी को अपनी बात कहने का अवसर तो दिया ही जाना चाहिए था। यदि संसद महसूस करती है कि राहुल गांधी ने गलत किया तो उन्हें माफी मांगने के लिये कहा जा सकता था। निस्संदेह, यदि इस अप्रिय विवाद को टाला जा सकता तो निश्चिय ही जनता-जनार्दन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण समस्याओं पर विचार किया जा सकता था।इसमें दो मत नहीं कि संसद के गतिरोध के बीच जनता के चुने नुमाइंदों को लोकतंत्र की भाषा व संवेदना तथा संविधान के आलोक में संसद की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। जनता के द्वारा चुने गये नुमाइंदों को 'चौकीदार चोर है' और 'सारे मोदी ऐसे हैं...', जैसे कटु व अप्रिय बोलों से बचना चाहिए। जाहिर है आप जब ऐसी भाषा का इस्तेमाल करेंगे तो उसी भाषा में जवाब के लिये तैयार भी रहना चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजनीतिक विमर्श की भाषा के स्तर में निरंतर पराभव जारी है। आरोप-प्रत्यारोपों की तल्ख भाषा का कोई अच्छा संदेश जनता में तो नहीं ही जाता। जब हम यह कहते नहीं थकते कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तो चुने नुमाइंदों का आचरण उस बड़प्पन के अनुरूप भी तो होना चाहिए। कैसी विडंबना है कि पूरा सत्र सिर्फ विवादों की भेंट चढ़कर रह गया। संसद की एक मिनट की कार्रवाई में लाखों रुपये का खर्च आता है। इस तरह देश के करदाता के करोड़ों रुपये यूं ही व्यर्थ चले गये। निस्संदेह, लोकतंत्र में राजनीति होना स्वाभाविक है, लेकिन हर मुद्दे में राजनीति हो, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। आशंका है कि संसद के आने वाले कुछ और सत्र भी इसी तरह विवादों की भेंट चढ़ सकते हैं। आसन्न लोकसभा चुनावों के चलते हर दल अब जनता के हित के बजाय अपने राजनीतिक एजेंडे को संसद के जरिये संबोधित करने की कोशिश करेगा। जिसके चलते संसद के दोनों सदनों में गतिरोध स्वाभाविक रूप से पैदा ही होगा। लोकतंत्र में नेताओं को अपनी बात कहने और अपने वोटर वर्ग को संबोधित करने का अधिकार है,

ईश्वर प्रदत्त जीवन को समझिए

सिर्फमानव प्रजाति में सोचने समझने और मुस्कुराने की शक्ति होती है। मनुष्य की सर्व चेतनाओं से परिपूर्ण होता है। पत्थरों में चेतना शून्य होती है, पेड़ पौधों में पल्लवित पुष्पित होती है,पशु पक्षियों में चलायमान होती है और मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जिसमें मानव मस्तिष्क चिंतन मनन कर किसी समस्या का समाधान निकालता हैंस यह सर्वविदित है कि मनुष्य का जीवन विभिन्न सामाजिक मानसिक संघर्षों का केंद्र होता हैस मनुष्य ने सदैव मानसिक शारीरिक शक्ति और दृढ़ संकल्प के बलबूते पर हर समस्या पर समय-समय पर विजय प्राप्त की है, और अपने लक्ष्य को बड़ी दृढ़ता के साथ प्राप्त किया हैस मनुष्य के जीवन में जब उत्साह, ऊर्जा एवं अपनी क्षमताओं के उपयोग करने का पूर्ण रूप से आत्मविश्वास होता है तो वह परिस्थितियों का सामना बखूबी कर अपने जीवन को सुचारू रूप से संचालित करता हैस एक मानव प्रजाति ही ऐसी प्रजाति है जिसकी संकल्प शक्ति इतनी ऊर्जावान एवं महत्वपूर्ण होती है कि वह प्रगति की विविधताओं, विषमताओं एवं अपार शक्ति को भी आसानी से नियंत्रित कर लेता है एवं उसका स्वयं के लिए समाज के लिए देश के लिए सकारात्मक उपयोग करने में भी सक्षम होता हैस जीवन में मनुष्य को सदैव अपने आप को व्यस्त रख कार्यशील रहना चाहिए, क्योंकि व्यस्त व्यक्ति ही किसी कार्य को उसकी परिणति तक पहुंचा सकता है ,खाली दिमाग सदैव शैतान का होता है एवं उसमें नकारात्मक विचार प्रवेश कर मन को मायूस कर देते हैंस आपका मन या मनोबल या संकल्प ही जब एकाग्र चित्त ऊर्जावान तथा शक्तिशाली होगा तो आपके सामने की कितना भी क्लिष्ट व कठिन लक्ष्य हो उसमें आप सफलता अवश्य पा सकेंगे। इसलिए मनुष्य को सदैव कर्मरत रहना चाहिए इसका यह भी अभिप्राय है कि मनुष्य को अपने आपको सदैव स्वस्थ्य एवं व्यस्त रखना चाहिए,मन में दृढ़ संकल्प रखकर हमारी दुनिया में लोगों ने ऐसे असंभव कठिन तथा दुरूह कार्यों को अपनी जड़ मानसिक शक्ति से संभव कर दिखाया है जिसकी हम कतई कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों की विपन्न स्थिति एवं आर्थिक कमी के बावजूद उन्होंने अपनी मानसिक दृढ़ता ,उच्च संकल्प शक्ति और संगठन क्षमता के दम पर भारत देश को आजाद कराया इसमें निसंदेह महात्मा गांधी, सरोजनी नायडू, सरदार वल्लभ भाई पटेल,जवाहरलाल नेहरू, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस और न जाने कितने उदाहरण हैं जिन्होंने अपनी मानसिक शारीरिक शक्ति तथा ऊर्जा के दमखम पर देश को अंग्रेजों के चंगुल से निकाल कर आजादी की हवा की सांस लेने का देशवासियों को मौका दिया है हम उनका नमन करते हैं उन्हें श्रद्धांजलि भी देते हैं और उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति एवं संकल्प को आदर्श के रूप में लेकर अपने जीवन में उतारने का प्रयास भी करेंगे। दुनिया में अपनी मानसिक शक्ति और संकल्प से अनेक असंभव कार्य को सफलतापूर्वक संचालित संपादित करते हुए अनेक उदाहरण मिलेंगे जो वाकई में इस दुनिया के और हम सबके आदर्श महान लोग हैं। व्यक्ति यदि सादगी, ईमानदारी और निरंतरता के साथ किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने का सार्थक एवं सर्वोच्च प्रयत्न करता है, तो निसंदेह सफलता उनके कदम चूमती है और वे व्यक्तियों के लिए, समाज के लिए तथा देश के लिए आदर्श पुरुष होते हैं। कोई भी महान या आदर्श व्यक्ति आसमान से अचानक नहीं आता है वह इसी धरती में पैदा हुआ सामान्य मनुष्य ही है जिसने अपने संघर्ष, इच्छा शक्ति, अदम्य साहस ,संयम और संतुलन से अपने हर लक्ष्य को प्राप्त कर अपने आपको समाज से अलग कर एक आदर्श रूप में प्रस्तुत किया है। मनुष्य का हृदय या मन अनंत ऊर्जा और शक्ति का बहुत बड़ा स्रोत होता है। किसी भी बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मस्तिष्क मदद करता है फिर चिंतन करता है और कार्य योजना सुनियोजित कर, अन थक परिश्रम कर उस दुरूह लक्ष्य को प्राप्त करता है ।आपका मन यदि हताश या निराश है तो आप किसी लक्ष्य की प्राप्ति नहीं कर सकते हैं। इसीलिए मन को सदैव प्रफुल्लित उत्साहित एवं सकारात्मक सोच के साथ ताजा रखें,जिससे आने वाली परिस्थितियों का सामना कर एक नए युग का सूत्रपात कर सकते हैं जीवन में दूसरे व्यक्तियों से पिछड़ने के कई कारण भी हो सकते हैं जिनमें से अपनी क्षमता तथा मानसिक शक्ति पर अविश्वास करना भी एक बड़ा कारण है, इसके साथ ही किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सुनियोजित योजना,अपनी क्षमताओं का आकलन एवं कार्य के साथ कठोर श्रम भी अत्यंत आवश्यक सफलता के स्तंभ हैं, अति संपन्नता के बावजूद मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति को असफलता का स्वाद चखना पड़ता है।

अर्थव्यवस्था और घरेलू बजट

आदित्य नारायण

> आम आदमी की अर्थव्यवस्था जाहिर तौर पर महंगाई व मुद्रा (रुपये) की क्रय शक्ति से जुड़ी होती है। महंगाई जब बढ़ती है तो रुपये की क्रय क्षमता में गिरावट आती है और इससे आम आदमी की अर्थव्यवस्था गड़बड़ाती है जिसे घरेलू बजट कहा जाता है।

भारत की अर्थव्यवस्था ऐसा मुद्दा है जिसका सीधा सम्बन्ध आम आदमी की अर्थव्यवस्था से जुड़ा रहता है। आम आदमी की अर्थव्यवस्था जाहिर तौर पर महंगाई व मुद्रा (रुपये) की क्रय शक्ति से जुड़ी होती है। महंगाई जब बढ़ती है तो रुपये की क्रय क्षमता में गिरावट आती है और इससे आम आदमी की अर्थव्यवस्था गड़बड़ाती है जिसे घरेलू बजट कहा जाता है। भारत में उदारीकरण व वित्तीय सुधार होने के बाद अर्थव्यवस्था का स्वरूप बदला है जिसे अधिकाधिक खर्च की अर्थव्यवस्था कहा जाता है। खर्च का सीधा सम्बन्ध आमदनी से होता है और हम जानते हैं कि आक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार भारत की 40 प्रतिशत से अधिक सम्पत्ति पर केवल एक प्रतिशत लोगों का ही अधिकार है। इसका मतलब यह निकलता है कि शेष साठ प्रतिशत सम्पत्ति पर 99 प्रतिशत लोगों का अधिकार है। इनमें से भारत के साठ प्रतिशत के लगभग लोग ऐसे हैं (80 करोड़ से ज्यादा) जिनका जीवन सरकार द्वारा मुफ्त में दिये गये अनाज से चलता है। अतः जाहिर तौर पर इन लोगों की आमदनी इतनी भी नहीं है कि ये बाजार भाव पर सुलभ अनाज को खरीद सकें। इससे समूचे भारत की आम आदमी की अर्थव्यवस्था का अन्दाजा हम आसानी से लगा सकते हैं। बेशक यह तस्वीर अच्छी नहीं है मगर इस तस्वीर को बेहतर बनाने के लिए रिजर्व बैंक जो उपाय कर रहा है उनसे कुछ अपेक्षाओं का पैदा होना स्वाभाविक है और लोकतन्त्र में यह जरूरी प्रक्रिया होती है क्योंकि इस व्यवस्था में लोगों की चुनी हुई सरकार ही होती है जिसकी जवाबदेही सर्वप्रथम लोगों के ही प्रति होती है। रिजर्व बैंक ने अपनी हाल की बैठक में अन्तरबैंकिंग रोकड़ा कारोबार के लिए कर्ज पर ब्याज की दर पहले के ही समान 6.5 प्रतिशत रखने का फैसला किया है। इसका सीधा प्रभाव यह पड़ेगा कि बैंकों से कर्ज लेना और महंगा नहीं होगा और जिन लोगों ने विभिन्न मदों में बैंकों से कर्जा लिया हुआ है उनकी ईएमआई या मासिक ऋण अदायगी नहीं बढ़ेगी। बैंक ने यह फैसला इस उम्मीद पर किया है कि भारत की सकल अर्थव्यवस्था में सम्यक वृद्धि आयेगी जिससे चौरफा बाजार में खरीदारी या लिवाली का माहौल बनेगा। इसके लिए निजी क्षेत्र मे पूंजी निवेश बढ़ना आवश्यक है जिससे वाणिज्यिक व व्यापारिक और उत्पादन क्षेत्र में गति आ सके। क्योंकि जब तक यह गति नहीं आयेगी तब तक बाजारों में माल की मांग नहीं बढेघ्गी। इसके साथ ही मुद्रा स्फीति या महंगाई को काबू में रखना भी रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होती है और इस सम्बन्ध में वह हर तिमाही बाद समीक्षा करता रहता है। यदि रिजर्व बैंक के गवर्नर श्री शक्ति कान्त दास का यह विचार है कि वर्तमान महंगाई की दर को छह प्रतिशत से ऊपर जाने के बावजूद ब्याज दरों को स्थिर रखकर इस पर लगाम लगाई जा सकती है तो इसे निश्चित रूप से सकारात्मक सोच ही कहेंगे मगर यह सोच तभी फलीभूत होगी जबकि अर्थव्यवस्था के मूल मानकों में भी समानुपाती सुधार दर्ज होता जाये। भारत में उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि दर में यथानुरूप सुधार नहीं हो रहा है और दूसरी तरफअन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व के प्रमुख बैंक अपनी ब्याज दरें बढ़ा रहे हैं। उत्पादन क्षेत्र में भी वृद्धि के आसार वैश्विक स्तर पर नहीं बन पा रहे हैं जिसकी वजह से चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की सकल वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने को ही विश्व बैंक उपलब्धि मान रहा है। हमें याद रखना चाहिए कि वर्ष 2011-12 में भारत 9.8 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज करने का रिकार्ड काम कर चुका है। इस आंकड़े को इसके बाद भारत अभी तक छूने में नाकाम रहा है। अब कोराना काल के बाद भारत यदि 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर प्राप्त कर लेता है तो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर यह सबसे तेज गति से विकास अर्थव्यवस्था का प्रमाण माना जायेगा। इसका मतलब यह है कि भारत की अन्तर्निहित आर्थिक शक्ति कहीं से कम नहीं है। सवाल पैदा होना स्वाभाविक है कि इस आर्थिक शक्ति के फलों का हम अपने समाज में क्या बराबर बंटवारा करने में सक्षम हो रहे हैं? यदि भारत की कुल 135 करोड़ के लगभग आबादी में 25 हजार रुपये महीने से अधिक की आय कमाने वाले केवल दस प्रतिशत लोग ही हैं तो हमे अपनी बाजार मूलक अर्थव्यवस्था की समीक्षा करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। इसके लिए हमें समूचे अर्थतन्त्र की ही समीक्षा करनी होगी। रिजर्व बैंक अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए समय-समय पर जरूरी कदम उठाता है और देश में औद्योगिक से लेकर कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने के उपाय भी करता है परन्तु अन्तिम फैसला तो वर्तमान आर्थिक तन्त्र में बाजार की शक्तियां ही करती हैं। यही कारण है कि विश्व के बहुत से देश आर्थिक संरक्षणवाद को प्रश्रय देते लग रहे हैं। भारत जैसे देश में सर्वाधिक मायने इस बात के होते हैं कि सामान्य नागरिक का घरेलू बजट उसकी आय के घेरे में कितना सुकून देने वाला रहता है। यह सुकून उसे तभी मिलता है जब उसे अपने बच्चों की शिक्षा से लेकर उनके खाने-पीने और आवास का प्रबन्ध करने में कोई बड़ी कठिनाई पेश न हो। क्योंकि सरकार विभिन्न शुल्कों व करों के रूप में जनता से ही धन वसूल कर उन्हीं पर खर्च करती है।

...आएगा तो मोदी ही

राजनीति में धार्मिक प्रतीकों का काफी महत्व रहा है। मतदान के व्यवहार में भी धर्म एक महत्वपूर्ण कारक है। यद्यपि चुनावों में राष्ट्रवाद, विकास, भ्रष्टाचार मुक्त भारत, सुशासन और अन्य मुद्दे भी काफी महत्वपूर्ण रहते हैं। कहने का अभिप्राय यह है कि धर्म अकेला काम नहीं करता। यह तभी प्रभावित होता है जब अन्य मुद्दे धर्म के साथ जुड़ जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के 44वें स्थापना दिवस पर सम्बोधित करते हुए रामभक्त हनुमान-लक्ष्मण से लेकर भ्रष्टाचार, विकास और सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसी भी अवसर को भारतीय हिन्दू संस्कृति और पौराणिक चरित्रों को जोड़ने में सिद्धहस्त हैं। उनके शब्दों से ही उनके अध्ययन का पता चलता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामचरितमानस की चौपाई पढ़ी-'कौन सो काज कठिन जग माहीजो नहि होई तात तुम पाई।''यानि ऐसा कोई काम नहीं है जो हनुमान नहीं कर सकते। इस चौपाई का उल्लेख उन्होंने यूं ही नहीं कर दियाघ् घ्बल्कि इसका अपना एक अर्थ है। इस चौपाई का उल्लेख कर उन्होंने भाजपा की तुलना हनुमान से कर दी। उन्होंने कहा कि भाजपा भी हनुमान जी की प्रेरणा से काम करती है और लोगों के जनकल्याणघ्के लिए काम करती है और करती रहेगी, जैसे हनुमान जी ने किया। राज-काज किन्हे बिनु मोहि कहां विश्राम। प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी के हर कार्यकर्ता को हनुमान बनने की प्रेरणा दी और उन्हें 2024 के चुनावों के लिए सक्रिय होने का आह्वान किया। भाजपा को इस समय दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी माना जाता है और उसके 18 करोड़ के लगभग कार्यकर्ता हैं। इतने बड़े जनाधार वाली पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश भरना बहुत जरूरी है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह काम बखूबी करते रहते हैं। हनुमान जी का उल्लेख कर उन्होंने लोगों को यह भी अहसास कराया कि 2014 से पहले भारत की क्या स्थिति थी और अब भारत बजरंग बली की तरह अपने भीतर सोई हुई शक्तियों का आभास कर चुका है और आज का भारत विशाल चुनौतियों को पार करने और उनका मुकाबला करने में ज्यादा सक्षम है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों का शंखनाद कर दिया है। अब सवाल सामने है कि अगले लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती देने के लिए विपक्ष की तरफ से कौन सा चेहरा सामने होगा। चर्चाएं तो बहुत चल रही हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव, राकंपा अध्यक्ष और मराठा दिग्गज शरद पवार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, विपक्षी एकता की बातें तो करते है। थर्ड फ्रंट बनाने की बातें भी सामने आ रही हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मानहानि मामले में सजा मिलने के बाद लोकसभा सदस्यता रद्द हो चुकी है। राहुल गांधी को अभी कानूनी लड़ाई लड़नी होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऊंचे राजनीतिक कद के बराबर कोई चेहरा दिखाई नहीं देता। तभी तो हर कोई यही कहता है ''चाहे कुछ भी हो जाए आएगा तो मोदी ही।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनता की नब्ज अच्छी तरह पहचानते हैं। तभी उन्होंने कहा कि आज देश का गरीब, आम आदमी, युवा, माताएं-बहनें, शोषित वंचित हर कोई भाजपा के कमल को खिलाने और रक्षा करने केघ् लिए ढाल बनकर खड़ा है। विपक्ष भाजपा की आलोचना करने के लिए स्वतंत्र है। ऐसा करना उसका लोकतांत्रिक अधिकार भी है। लेकिन विपक्षी दल भाजपा का मुकाबला करने में सक्षम नहीं है। दरअसल कोई राजनीतिक दल भाजपा का मुकाबला करने के लिए चुनावी गठबंधन कर अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ने को तैयार नहीं है। चुनावी गठबंधन या तालमेल या विपक्षी एकता की खातिर हर दल को कुछ न कुछ त्याग या कुर्बानी करनी पड़ेगी, लेकिन विपक्षी दल कोई भी कुर्बानी देने को तैयार नहीं है, इसलिए विपक्षी एकता सम्भव दिखाई नहीं देती। मोदी सरकार की उपघ्लब्धियों को देखा जाए तो जनसंघ काल से ही भाजपा के मुख्य एजैंडे का जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने और राम मंदिर निर्माण का सपना पूरा हो चुका है। अगले वर्ष मकर संक्रांति के दिन राम लला विराजमान हो जाएंगे। यद्यपि भाजपा पर धर्म के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया जाता है लेकिन देश की जनता को याद होना चाहिए कि मुसलमानों का समर्थन खोने के डर से कांग्रेस की राजीव गांधी सरकार ने शाहबानो केस में अदालत के आदेश को रद्द करने का विधेयक पारित कर दिया था, साथ ही हिन्दुओं का समर्थन हासिल करने के लिए अयोध्या में मंदिर का ताला खुलवा दिया था। धर्म के नाम पर समुदायों को संगठित करने की प्रतिस्पर्धात्मक राजनीति की शुरूआत यहीं से हुई। चुनावी राजनीति में हिन्दू धर्म के प्रतीकों का प्रभाव उत्तर, पश्चिम और दक्षिण भारत में अब तक काफी प्रभावशाली है। फिलहाल तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कोई विकल्प सामने नजर नहीं आता।

माफियाओं के खिलाफ योगी के सख्त तेवरों से ही रहता है यूपी में अमन-चौन का माहौल

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अपराधियों को सजा दिलाने के मामले में भी काफी तत्परता दिखा रही है। योगी राज के दूसरे कार्यकाल के पहले ही वर्ष में यूपी के टॉप लेवल के 13 माफियाओं को कोर्ट ने सजा सुनाई है, जो पहले कभी नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए परम्परागत रूप से उठाये जाने वाले कदमों से अलग तौर तरीके से चल रहे हैं,जिसकी वजह से अपराधी खौफजदा हैं उनके मददगारों और पनाहगारों की संख्या कम होती जा रही है। असल में यूपी में जब कोई व्यक्ति अपराध करता है तो योगी की पुलिस उन अपराधियों को तो तुरंत धर दबोच लेती है जो पेशेवर अपराधी नहीं होते हैं और विपरीत परिस्थितियों में उनसे अपराध हो जाता है, लेकिन आदतन या पेशेवर अपराधी तत्वों को यूपी पुलिस तुरंत गिरफ्तार करने पर ज्यादा जोर नहीं देती है। यह वह अपराधी होते हैं जो पहले भी हवालात की सजा काट चुके होते हैं और उन्हें जेल जाने से डर भी नहीं लगता है। ऐसे में इन पेशेवर अपराधियों को सबक सिखाने के लिए योगी सरकार इन्हें जेल भेजने से पहले इनके दहशत के साम्राज्य को तोड़ती है। इनकी अवैध संपत्ति की कुर्की के लिए डोजियर तैयार किया जाता है। इसके बाद अपराधी की कमर तोड़ने के लिए बुलडोजर की इंट्री होती है। बुलडोजर पेशेवर अपराधी तत्वों की जुर्म की दुनिया में रहकर कमाई गई अकूत संपत्ति को नेस्तानाबूत करता है। गुंडे-माफियाओं और उनके गुर्गों द्वारा जबरन हथियाई गई जमीन को खाली कराया जाता है। यदि इनके पास किसी तरह के असलहे होते हैं तो उसका लाइसेंस रद्द किया जाता है। इसके पश्चात उन लोगों पर शिकंजा कसा जाता है जो सीधे तौर पर तो किसी अपराध से नहीं जुड़े होते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे से अपराधियों की मदद करते रहते हैं। विकास दुबे, मुख्तार अंसारी

और अतीक अहमद के साम्राज्य को इसी प्रकार से तोड़ा गया है। ऐसे में कई अपराधी डर के मारे आत्मसमर्पण कर देते हैं या फिर पुलिस के साथ लुकाछिपी के खेल में एनकाउंटर के शिकार हो जाते हैं। बाहुबली विकास दुबे इसकी ताजा मिसाल है, जो पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। इससे पूर्व उसकी करोड़ों की अवैध संपत्ति भी पुलिस ने उसके कब्जे से खाली करा ली थी। इसी प्रकार मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद जैसे बाहुबलियों के भी आर्थिक साम्राज्य को तोड़ा गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा हो गया है। अब तक के छह साल के कार्यकाल में यूपी पुलिस ने माफियाओं, अपराधियों और बदमाशों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की है। बाहुबली माफिया मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद, शराब माफिया बदन सिंह बद्दो, कुख्यात सुनील राठी, सुशील मूंछ, सुंदर भाटी, ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह और बाहुबली विजय मिश्रा समेत 64 गैंगस्टरों की 3000 करोड़ रुपए की संपत्तियां पुलिस ने या तो जब्त की हैं या फिर सरकार ने उन पर बुलडोजर चलवा दिया है। इसमें माफिया डॉन अतीक अहमद के अलावा मुख्तार अंसारी की 523 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कार्रवाई हुई है। इसी तरह ढाई लाख के इनामी बदन सिंह बद्दो की भी करोड़ों रुपए की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं जबकि उसके और उसके सहयोगियों के तमाम अवैध अड्डों पर बुलडोजर चलाया जा चुका है। बाहुबली विजय मिश्रा की भी 50 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्तियां अब तक जब्त की जा चुकी हैं। का पड़ोसी मुल्क पर सीधा अटैक उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अपराधियों को सजा दिलाने के मामले में भी काफी तत्परता दिखा रही है। योगी राज के दूसरे कार्यकाल के पहले ही वर्ष में यूपी के टॉप लेवल के 13 माफियाओं को कोर्ट ने सजा सुनाई है, जो पहले कभी नहीं हुआ। बाहुबली अतीक अहमद को हाल में ही उमेश पाल अपहरण कांड में उम्र कैद की सजा सुनाई है। अतीक गुजरात के साबरमती जेल में सजा काट रहा है। अतीक के खिलाफ सौ से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, लेकिन उसके खिलाफ कोई गवाही देने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था। वहीं बाहुबली मुख्तार अंसारी जिसके खिलाफ कभी कोई गवाही नहीं देता था, उसको सजा दिलाने के लिए अभियोजन विभाग ने सशक्त पैरवी की। गवाहों को कोर्ट तक पहुंचाया। नतीजतन, मुख्तार अंसारी को उसके वर्षों से लंबित मुकदमों में सजा होनी शुरू हुई। मुख्तार अंसारी के खिलाफप्रदेश के विभिन्न थानों में संगीन धाराओं के 61 मुकदमे दर्ज हैं। इसी तरह बाहुबली विजय मिश्रा जिसके खिलाफसंगीन धाराओं के 83 केस दर्ज हैं उसे भी कोर्ट ने सजा दी। अभियोजन विभाग की पैरवी से आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सजा मिली जिससे उनकी विधायकी रद्द हुई। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति में पुलिस और अन्य एजेंसियों के सहयोग से यह सब संभव हुआ। योगी सरकार के एक साल की बात की जाए तो योगी राज में बीते एक साल में 21 अपराधी मुठभेड़ में मारे गए, 1256 अपराधी मुठभेड़ में घायल हुए। वहीं एनकाउंटर के दौरान 182 पुलिसकर्मी भी घायल हुए। इसी बीच 25000 के 2749 इनामी अपराधी गिरफ्तार हुए और 50000 के 267 इनामी अपराधी गिरफ्तार हुए, इसके अलावा 50,000 से ज्यादा इनाम वाले 36 अपराधी गिरफ्तार हुए। गैंगस्टर एक्ट के 3903 केस रजिस्टर किए गए जबकि 12513 आरोपी गिरफ्तार करके जेल भेजे गए। 126 अपराधियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई हुई। गैंगस्टर एक्ट के तहत कुल 70 अरब 58 करोड़ 64 लाख 33 हजार 537 रुपए की चल अचल संपत्तियां जब्त की गईं। बीते एक साल में एसटीएफ ने 847 अपराधियों को गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने चार अपराधियों को एनकाउंटर में मारा और 85 इनामी अपराधी गिरफ्तार किए। इसी अवधि में साइबर क्राइम करने वाले 16 अपराधी गिरफ्तार किए गए जबकि ड्रग्स की तस्करी करने वाले 210 अपराधी गिरफ्तार किए गए। 458.79 करोड़ रुपए के ड्रग्स बरामद किए गए। बीते एक साल में 35 असलहा तस्कर दबोचे गये तो 131 असलहे बरामद किए गए। हाईटेक सर्विलेंस से 69 वारदातों को रोका गया। योगी सरकार आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने में भी पीछे नहीं रही। यूपी में आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद, अल कायदा, आईएसआई जैसे आतंकी संगठनों से संबंधित 21 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पीएफआई, रोहिंग्या, बांग्लादेशी, नक्सल से संबंधित 13 लोगों की गिरफ्तारी की गई। लब्बोलुआब यह है कि योगी राज में अपराधियों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया गया। गुंडे-माफियाओं ने दहशत के बल पर अपना जो साम्राज्य खड़ा किया था, उसे योगी की पुलिस ने ऐसे माफियाओं-बाहुबलियों के अंदर दहशत पैदा कर उसे धवस्त कर दिया। आज अपराधी हाथों में तख्ती लेकर सरेंडर कर रहे हैं। देशभर में योगी के नाम का डंका बज रहा है। आज स्थिति यह है कि यूपी में अपराध तो कम हुए ही हैं, इसके अलावा दंगाइयों और साम्प्रदायिक शक्तियों के भी हौसले पस्त पड़े हैं। यही वजह है जब रामनवमी पर कई राज्यों में हिंसा हो रही थी, तब यूपी में सब कुछ सामान्य चल रहा था। रामनवमी भी मनाई जा रही थी और रमजान भी।

यूपी में कोरोना को लेकर हाई अलर्ट

सरकार ने जारी की गाइडलाइन, विदेश से आने वालों पर खास निगाह

संवाददाता

लखनऊ। कोरोना ने फिर खतरे की घंटी बजा दी है। कोरोना के बढ़ते मामलों ने केंद्र व राज्य सरकार की टेंशन बढ़ा दी है। अलर्ट मोड में योगी सरकार ने कोरोना संक्रमण को लेकर जरूरी दिशा निर्देश जारी किए हैं। यूपी सरकार ने कोरोना से बचाव के लिए गाइडलाइन जारी करते हुए राज्य की कोविड लैब एक्टिव रहने के लिए कहा है। सैंपलों की जीनोम सिक्वेंसिंग कराने के भी निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कोरोना गाइडलाइन में इंटीग्रेटेड कोरोना सेंटर को तत्काल एक्टिव करने को कहा है। विदेशों से आने वाले यात्रियों की जांच मॉनटिरंग को लेकर अलर्ट रहने को कहा है। स्वास्थ्य महकमे ने बुजुर्गों बच्चों को भीड़ भरे इलाकों में न जाने को कहा है। सार्वजिनक स्थलों, दफ्तरों बाजारों समेत दूसरी भीड़ वाले इलाकों में मास्क पहनने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने को कहा है, वहीं राज्य सरकार ने कोरोना हॉस्पिटलों में दवाई, टेस्ट ऑक्सीजन जैसी सुविधाएं चेक करने के निर्देश दिए हैं। डॉक्टरों के साथ पैरामेडिकल स्टाफकी तैनाती है। इसके अलावा बीच-बीच में उच्च अधिकारियों को मॉक ड्रिल कर कोरोना इंतजामों के चेक करने के लिए कहा गया है। यूपी में कोरोना तेजी बढ़ रहा है। इसे देखते हुए प्रदेश के 75 जिलों में आज साल की पहली मॉक ड्रिल हुई। मंगलवार सुबह लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल के सामने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक मौजूद हैं। थोड़ी ही देर में तेज रफ्तार एम्बुलेंस आकर रुकी। पीपीई किट पहने वार्ड बॉय मरीज को एम्बुलेंस से उतार कर स्ट्रैचर पर लिटाते हैं। खुद डिप्टी सीएम मरीज को स्ट्रैचर पर लेकर चलते हैं। एसएसबी ब्लॉक के अंदर दाखिल होते ही सबसे पहले ही मरीज का बीपी, ऑक्सीजन लेवल और टेम्परेचर की जांच की गई। आइसोलेशन वार्ड नंबर 311 में पहले से ही 10 वेंटिलेटर युक्त बेड हैं। मरीज को बेड़ से शिफ्ट करते ही एनेस्थेसिया की टीम ने मरीज को वेंटिलेटर सपोर्ट दे दिया। महज 4 मिनट में एंबुलेंस पर लाए मरीज को लाइफ सपोर्ट सिस्टम देने में डॉक्टर कामयाब रहे। करीब आधे घंटे तक डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक अस्पताल में रुके। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में लगे ऑक्सीजन प्लांट समेत अन्य सुविधाओं को भी परखा। अस्पताल के निदेशक डॉ. रमेश गोयल ने बताया कि अस्पताल में ऑक्सीजन के किसी भी प्रकार की किल्लत से निपटने के लिए 2 ऑक्सीजन प्लांट हैं। बलरामपुर अस्पताल सीएमएस डॉ. जीपी गुप्ता ने बताया कि एक प्लांट 960 एलपीएम और दूसरा 500 एलपीएम का है। दोनों ही प्लांट को इंडियन ऑयल के सीएसआर फंड से लगाया गया हैं। दोनों ही चालू हैं। मंगलवार सुबह आई रिपोर्ट में 402 नए मरीज मिले हैं। अंबेडकर नगर में एक कोरोना मरीज की मौत हुई है। इसी के साथ प्रदेश में एक्टिव केस 1498 हो गए हैं। मंगलवार को आई रिपोर्ट में लखनऊ में सबसे ज्यादा 83 मरीज पॉजिटिव पाए गए हैं। मॉक ड्रिल के लिए अलग-अलग स्थानों के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई। यानी नोडल पहले से ही बनाए गए हैं। मॉक ड्रिल के दौरान ये अधिकारी ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन कॉन्सन्ट्रेटर, दवाओं की उपलब्धता और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी वस्तुओं के अलावा अस्पताल में सामान्य वर्किंग के लिए मेडिकल स्टाफड्युटी रोस्टर देख रहे थे। यूपी में 548 ऑक्सीजन प्लांट की कंडीशन परखी गई। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में मॉक ड्रिल हुई। दो मिनट में डमी मरीज को आईसीयू तक पहुंचाया गया। पांच मिनट में मरीज का ऑक्सीजन लेवल समेत अन्य पैरामीटर्स चेक किए। वहीं, सहारनपुर जिला अस्पताल में मॉक ड्रिल का रिस्पॉन्स टाइम 6 मिनट रहा। 10.02 बजे एम्बुलेंस में डमी मरीज लाया गया। स्ट्रैचर पर मरीज को लेकर वार्ड लाया गया 10.08 बजे तक उसका इलाज शुरू हो गया। कानपुर में हैलेट अस्पताल के कोविड वार्ड में मॉक ड्रिल शुरू हुई। ऑक्सीजन प्लांट से लेकर आईसीयू और पीआईसीयू वार्ड की टीम जांच कर रही। डब्लयूएचओ के अधिकारी समेत प्रशासनिक अधिकारी जांच में जुटे हैं। 30 बेड आइसोलेशन और 20 बेड इमरजेंसी के लिए तैयार किए गए हैं। वहीं बच्चों के लिए 30 बेड आइसोलेशन और 20 बेड आईसीयू के लिए तैयार किए गए हैं।

स्ट्रैचर पर मरीज लेकर पहुंचे डिप्टी सीएम

यूपी के 75 जिलों में कोरोना की मॉक ड्रिल, प्रदेश में 402 नए केस, एक की मौत

संक्षिप्त समाचार

पीएम-सीएम को ट्वीट कर स्कूलों में रिक्त पदों को भरने की मांग

संवाददाता, लखनऊ। संयुक्त युवा मोर्चा ने पीएम मोदी को ट्वीट कर देश भर में सरकारी स्कूलों में 9 लाख 80 हजार से ज्यादा रिक्त पदों को तत्काल भरने के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील की है। संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट के अनुसार देश भर में सरकारी स्कूलों (1-8) में 9 लाख 80 हजार से ज्यादा पद रिक्त पड़े हुए हैं। इन्हें भरे जाने की भी सिफारिश की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ट्वीट कर उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग में रिक्त 1.25 लाख शिक्षक पदों को तत्काल विज्ञापित करने की मांग की गई है। युवा मंच संयोजक राजेश सचान ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि हाल में 3 अप्रैल को दिल्ली में 113 युवा संगठनों ने मिल कर संयुक्त युवा मोर्चा का गठन किया है। रोजगार को वैधानिक दर्जा देने, देश भर में रिक्त एक करोड़ पदों को समयबद्ध भरने, सरकारी नौकरियों में संविदा व्यवस्था खत्म करने और शिक्षा-स्वास्थ्य समेत रेलवे, पोर्ट, बिजली, कोयला, स्टील जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों का निजीकरण बंद करने, रोजगार सृजन व रिक्त पदों को भरने के लिए वित्तीय उपलब्धता हेतु अमीरों पर संपत्ति व उत्तराधिकार कर लगाने जैसे मुद्दों को लेकर देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है।

विश्व हिंदू परिषद अवध प्रान्त की बैठक संपन्न-चुने गये पदाधिकारी

संवाददाता, लखनऊ। विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत की एक बैठक लकड़मंडी लोकमान्य विद्या मंदिर में आयोजित की गई। बैठक के पश्चात विश्व हिंदू परिषद के अवध प्रांत लखनऊ पश्चिम के शत्रुघन नगर के पदाधिकारियों की घोषणा की गई। सर्व सम्मति से महामंत्री अमित तिलहरी अवध प्रांत ने गिरीश निगम को अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। वही राकेश मौर्या ,वीरेंद्र तिवारी को उपाध्यक्ष एवं अलका मिश्रा को कार्यकारी अध्यक्ष, और मनोज वर्मा को महामंत्री का दायित्व सौपा। इसके साथ ही सुजाता वर्मा को दुर्गा वाहिनी संचालिका का भी दायित्व दिया गया। नव नियुकत अध्यक्ष गिरीश निगम ने संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतु हर संभव प्रयास करने का कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया। इस अवसर पर अवध प्रांत के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी एवं भारी संख्या में अन्य सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

3 आईएएस अफसरों के भ्रष्टाचार सार्वजनिक करेगी अधिकार सेना

लखनऊ,11 अप्रैल 2023 (यूएनएस)। अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने आज कहा है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और मौजूदा भाजपा सरकार द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त शासन और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस के दावों की पोल खोलने के लिए अधिकार सेना शीघ्र ही तीन ऐसे आईएएस अफसरों के नाम और उनके कारनामे सार्वजनिक करने वाली है, जिन पर भ्रष्टाचार के अत्यंत गंभीर आरोप लगे हैं, किंतु इसके बाद ही उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि यह तीनों आईएएस अफसर प्रदेश सरकार के अत्यंत ही निकट बताए जाते हैं और दिखते हैं।

ताइक्वाण्डो एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए शैलू, सचिव बने राजकुमार

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश ताइक्वाण्डो एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा की बैठक होटल सौभाग्यम इन मनोज पाण्डेय चौराहा, गोमती नगर में आयोजित की गयी। इस बैठक में हुए चुनावों में अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह शैलू, सचिव राजकुमार व कोषाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह बनाए गए है। चुनाव परिणाम की घोषणा निर्वाचन अधिकारी आरडीत्रिपाठी ने की। बैठक में ताइक्वाण्डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के पर्यवेक्षक संतोष कुमार मोहंती, उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के पर्यवेक्षक सुधीर शर्मा व उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय के पर्यवेक्षक रंजीत राज मौजूद थे। उत्तर प्रदेश ताइक्वाण्डो एसोसिएशन की बैठक में सर्वसम्मति से सभी पदों पर निर्वाचन हुआ। चुने गए पदाधिकारियों में क्रमश:अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह शैलू,उपाध्यक्ष आनन्द मणी जुगरान,सचिव राजकुमार, सह-सचिव मोहित कुमार कोषाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह और कार्यकारिणी सदस्य हिम प्रीत सिंह, एसएम आसिफ अमरनाथ, तसकीन जहीर बने हैं।

निकाय चुनाव: मतभेद भुला कर जुटें भाजपा कार्यकर्ता : जितिन

संवाददाता, लखनऊ। निकाय चुनाव का बिगुल बज चुका है। भाजपा का पूरा फोकस चुनाव पर है। मुरादाबाद में निकाय चुनाव के प्रभारी प्रदेश सरकार में लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को मुरादाबाद में निकाय चुनाव में जुटने का आह्वान किया। पिछड़ा वर्ग आयोग की ओर से महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा, टिकट किसी को भी मिले लेकिन चुनाव में हमें उसी प्रत्याशी को जिताना है जिसे पार्टी तय करेगी। चाहे वह वार्ड का चुनाव हो या अध्यक्ष पद का, जीत का परचम फहराना है। जिला प्रभारी व राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र नागर ने कहा निकाय चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा भारी बहुमत से जीतने जा रही है उन कार्यकर्ताओं के दम पर फिर से रिकॉर्ड जीत हासिल करेंगे।

महिला से 30 लाख का फ्राड

महिला से फ्लैट और दुकान दिलाने के नाम फर्जी जेई बन वसूले पैसे

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण में फ्लैट और दुकान दिलाने के नाम पर 30 लाख रुपए के फर्जी वाड़ा का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने इसको लेकर एलडीए वीसी से शिकायत दर्ज कराई है। इसमें जेई ने यह पैसा लिया है। हालांकि जब इसकी जांच की गई तो पता चला एलडीए का वह कर्मचारी ही नहीं है। पीड़ित महिला यहियागंज निवासी नीलम शुक्ला है।

उन्होंने बताया कि सीतापुर निवासी प्रदीप मिश्रा ने खुद को एलडीए का जेई बता कर वसंत कुंज योजना में तीन फ्लैट, आम्रपाली योजना में एक घर और ठाकुरगंज स्थित राम प्रसाद बिस्मिल कॉम्प्लेक्स

में पांच दुकाने दिलाने की बात कही थी। उससे काम कराने के नाम पर 30 लाख रुपए वसूले गए हैं। यह पैसा किस्तों में उससे लिया गया था। यहां तक की मकान और दुकान आवंटन का पत्र भी जारी कर दिया गया। चार बीतने के बाद भी कब्जा नहीं मिला तो पीड़ित ने एलडीए कार्यालय में संपर्क किया। उसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ फ्राड हुआ है। वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी ने जब जांच बैठाई तो पता चला कि प्रदीप सिंह नाम का कोई जेई उनके यहां तैनात ही नहीं हैं। महिला के साथ फ्राड हुआ है। महिला के पति तुषार शुक्ला ने बताया कि प्रदीप सिंह ने खुद को एलडीए का जेई बताता था। एलडीए के कमरो में ही दो बार पैसे लिए। वहीं कई बार ग्राउंड फ्लोर की लॉबी में भी पैसे की डीलिंग हुई हैं। हर किस्त के बाद आरोपी द्वारा भुगतान रशीद भी दी जाती थी। इसमें एलडीए के कई बाबू भी शामिल हैं। जिनके कमरों में बैठ कर डीलिंग होती थी। हालांकि अभी तक मामले में बाबू का नाम सामने नहीं आया है। वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि प्रदीप सिंह नाम का कोई जेई एलडीए में तैनात नहीं हैं। महिला से आरोपी के खिलाफएफआईआर दर्ज करवाने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि मामले की अतिरिक जांच भी जाएगी। एलडीए का कोई कर्मी दोषी होता हैं तो उस पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

एनसीसी राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता के चयन की प्रक्रिया शुरू

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के तत्वाधान में 8 एनसीसी बटालियनों के एनसीसी कैडेटों को लखनऊ छावनी में फायरिंग की गहन ट्रेनिंग, फायरिंग अभ्यास और चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राष्ट्रीय जीवी मानव लन्कर एनसीसी निदेशालय शूटिंग प्रतियोगिता, जुलाई माह में प्रतिवर्ष कराई जाती है। इस वर्ष 17 निदेशालयो के बेहतरीन एनसीसी कैडेट केरल में फायरिंग प्रतियोगिता में भाग लेंगे। कर्नल विनोद जोशी ने बताया 20 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी 3 दिन से लगातार फायरिंग रेंज में अभ्यासरत है ताकि बेहतरीन गर्ल्स कैडेट लखनऊ एनसीसी ग्रुप टीम में शामिल हो सके। प्रदेश स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता के लिए कैडेटों का चुनाव उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय द्वारा मई माह में पूर्ण होगा। राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रतियोगिता 29 केरल बटालियन एनसीसी, कोझिकोड में 3 जुलाई से 16 जुलाई तक चलेगी जिसमें 17 निदेशालय से चयनित 65 एनसीसी कैडेट हिस्सा लेंगे। भागलेने वालों कैडेटों की आयु सीमा 18 वर्ष से 21 वर्ष के बीच होती है। कैडेटों का चुनाव तीन प्रकार की प्रतियोगिताओं के धारपर होता है। ब्रिगेडियर नीरज पुनेठा, ग्रुप कमांडर लखनऊ के दिशा निर्देशों पर कैडेटों को ट्रेनिंग, फायरिंग और चयन लखनऊ छावनी में चल रहा है। कैडेटों के शूटिंग प्रतियोगिता का कार्यभार कर्नल गौरव कार्की, कमान अधिकारी 64 यूपी बटालियन एनसीसी संभाल रहे हैं। लखनऊ ग्रुप के चयनित कैडेटों को आगे की ट्रेनिंग कर्नल कार्की द्वारा कराई जाएगी जो स्वयं राष्ट्रीय शूटर रह चुके हैं। फायरिंग प्रतियोगिता के अभ्यास और चयन में सूबेदार मेजर देव पाल, सूबेदार एस सिंह, जीसीआई, 14 सैनिक निरीक्षक और 85 गर्ल्स एनसीसी कैडेट शामिल है।

ऐतिकाफ आखिरी अशरे की अहम् इबादत है : मौलाना खालिद रशीद

संवाददाता

लखनऊ। इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफइण्डिया ने अपने बयान में तमाम मुसलमानों को मुबारकबाद दी कि उन्होने रमजान के दो अशरे खुदा पाक की इबादतों और इताअतों में गुजारे। उन्होने कहा कि माहे रमजान में रोजे रखना, कुरान करीम की तिलावत करना, फर्ज नमाजों को जमाअत के साथ अदा करना, तरावीह पढ़ना, तहज्जुद और अन्य नवाफ्लि का एहतिमाम करना, शबे कद्र तलाश करना, जाकत और फित्र: अदा करना बहुत सवाब का काम है। इनकी तौफीक खुदा पाक ही देता है। इसी लिए हम को चाहिए कि अपनी इबादतों के साथ साथ खुदा पाक के हुजूर में खूब शुक्र अदा करें ताकि हमारा खुदा पाक हम से खुश हो और अधिक से अधिक इबादत करने की तौफीक अता करे। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि रमजान के आखिरी अशरे की अहम इबादत ऐतिकाफ है जिस का वक्त 20 रमजान को सूरज डूबने के बाद से शुरू हो जाता है और ईद का चॉद दिखाई देने तक रहता है। उन्होने कहा कि आखिरी अशरे का एतिकाफ सुन्नत है। यानी अगर किसी मोहल्ले या गॉव की मस्जिद में कोई ऐतिकाफ करने तो सुन्नत अदा हो जायेगी अगर किसी ने भी नही किया तो पूरा मोहल्ला और गॉव गुनाहगार होगा। मौलाना कहा कि आखिरी अशरे की पॉच ताक रातों में शबे कद्र तलाश करना चाहिए। यानी 21, 23, 25, 27, 29 रमजान मुताबिक 12, 14, 16, 18 और 20 अप्रैल 2023 में से कोई एक रात शबे कद्र होगी। इस बरकत वाली रात के लिए खुदापाक ने फरमाया है: ''शबे कद्र हजार महीनों से बेहतर है'' (सूरह अलकद्र:3) यानी इस एक नूरानी रात में इबादत का सवाब 83 वर्ष 4 माह से अधिक है। और नबी पाक का इरशाद हैरू जिस शख्स ने शबे कद्र में ईमान के साथ और सवाब की उम्मीद के साथ कयाम किया तो उसके पिछले गुनाह माफकर दिये जाते है। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि ईद की नमाज से पहले फित्र: जरूर अदा करें ताकि जो लोग जरूरत मन्द हैं वह भी ईद की खुशियों में शरीक हो सकें।

एटीएम में भरने पहुचे थे पैसे, गोली लगने से कैश वाहन गार्ड की मौत

संवाददाता

लखनऊ। बख्शी का तालाब में एक एटीएम में रुपए भरने के लिए पहुंची कैश लोडिंग वैन में गार्ड की गोली लगने से मौत हो गई। मंगलवार को हुई इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची बीकेटी पुलिस ने घायल गार्ड को इलाज के लिए अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बीकेटी पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच में जुटी है। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में सुबह 11.30 बजे के करीब एसआईएस प्रोसीजर कंपनी की वैन क्षेत्र के बैंक ऑफइंडिया में लगे एटीएम में रुपए भरने के लिए आई थी। वैन में ड्राइवर विनीत बाजपेयी, छोटे लाल वर्मा गनमैन, रविकांत गनमैन, नितिन राजू कैशियर व अतुल वर्मा सहायक कैशियर साथ में मौजूद थे। गनमैन छोटेलाल उनके साथ मौजूद सभी लोग एटीएम रूम में चले गए। छोटेलाल गनमैन वैन के अंदर पानी पीने के लिए गया। तभी अचानक गोली चलने की आवाज आयी। अन्य साथी एटीएम छोड़कर वैन की तरफ भागे तो उन्होंने देखा कि वैन के अंदर छोटेलाल खून से लथपथ पड़ा तड़प रहा है। आनन-फानन में लोगों ने बीकेटी पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छोटेलाल को राम सागर मिश्र सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय इलाज के लिए ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पहुंचे बीकेटी थाना प्रभारी बृजेश चंद्र तिवारी ने कैश वैन के साथ आए सभी लोगों से पूछताछ की। वहीं गार्ड की गोली लगने से हुई मौत के मामले में एडीसीपी अभिजीत आर शंकर ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना है, जिसमें गनमैन की स्वयं की बंदूक से अचानक गोली चलने का है। उन्होंने फॉरेंसिक टीम से जांच कराई है और वैन में लगे कैमरे की डीबीआर कब्जे में ले लिया है। मृतक गनमैन छोटेलाल वर्मा मूलरूप से गांव मलेथू थाना रामपुर कलां सीतापुर का निवासी था। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। पुलिस जांच में जुटी है।

निकाय चुनाव: ओम प्रकाश राजभर की पार्टी लड़ेगी मेयर का चुनाव

सुभासपा स्थानीय निकाय चुनाव अकेले दम पर लड़ेगी : राजभर

- लखनऊ समेत पांच शहरों में मेयर की कुर्सी पर नजर
- लखनऊ में मुसलमान का भाजपा को मिलता है लाखों वोट

संवाददाता

लखनऊ। यूपी नगर निकाय चुनाव को लेकर सुभासपा कल पहले चरण के प्रत्याशियों की सूची जारी करेगी। सुभासपा लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, गाजियाबाद में महापौर का भी चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा कुछ अन्य नगर निगम में भी महापौर प्रत्याशी उतारेगी। सुभासपा की लखनऊ में कश्यप बिरादरी से महिला कैंडिडेट को महापौर प्रत्याशी बनाने की तैयारी है जिसका ऐलान कल होगा। सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर कल सुबह 10 बजे निकाय चुनाव के उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करेंगे। इस अवसर पर विभिन्न

दलों के कई नेता भी कल सुभासपा में शामिल होंगे। ओम प्रकाश राजभर ने बताया, जिलो से सूची मंगाई जा रही है। अब तक 4 मेयर, 180 नगर पंचायत, करीब 20 नगर पालिका और 400 से अधिक पार्षदों की सूची आई है।कल सुबह 10 बजे पहले चरण की सूची जारी की जाएगी, ये संख्या बढ़ सकती है। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि हम विचारों की लड़ाई लड़ते हैं, जो स्थानीय मुद्दे होते, जो आम पब्लिक की समस्या है उसे लेकर जनता के बीच में हैं और जब ऐसे मुद्दे आते तो उसमें जाति खत्म हो जाती है। सुभासपा अपनी एक अलग पहचान बना चुकी है, मेहनत के बल पर संगठन तैयार कर रखा है, हमारे लोग मजबूती से लड़ाई लड़ेंगे।राजभर ने कहा कि 2017 के चुनाव में सुभासपा 7 नगर पंचायत जीती थी और 11 पंचायत बहुत कम वोट से हारे थे, वह भी तब जबकि हमें लोग जानते तक नही थे। अब तो पूरे प्रदेश नहीं देश में हमें लोग जान चुके हैं, हमारी पार्टी की विचारधारा को लोग जान चुके हैं। कल तक जहां हमारे पास लाखों समर्थक थे आज करोड़ों समर्थक जुड़ चुके हैं। राजभर ने कहा की सपा और बसपा दगे कारतूस हैं। चार-चार बार सत्ता में रहकर उन्होंने क्या किया पूरा प्रदेश जानता है। इन्होंने जिन जातियों को धोखा दिया है वह इनके साथ कैसे जाएंगे। 4 दिन पहले सपा मुखिया का बयान सुना कि वह बूथ का संगठन बनाएंगे, इसका मतलब उनका संगठन नहीं है तो कैसे लड़ेंगे। मायावती का बयान आया कि महिलाओं के दम पर लड़ेंगे, महिलाओं के बीच जाएंगे। जबकि ओम प्रकाश राजभर ने सावधान रथ यात्रा पहले ही की, महिला हक अधिकार रैली पहले ही कर दी।ओम प्रकाश राजभर ने कहा, प्रदेश में अल्पसंख्यकों का वोट करीब 20 फीसदी है। इसको बहकाकर डर दिखाकर कांग्रेस, बसपा, सपा तीनों ने एक-एक कर अपने साथ रखा। आजादी के बाद नौकरियों में मुसलमान 38 फीसदी था लेकिन इन तीनों ने इनका हिस्सा इतना लूटा कि 1 फीसदी से कम बचे। जब यादव जी पर मुकदमा हो तो राम गोपाल यादव जाकर मुख्यमंत्री से मिल लेते हैं, लेकिन जब मुसलमान फंसता तो राम गोपाल नहीं जाएंगे। मुसलमान भी समझ चुका कि उसका हित कहां और अहित कहां, इसीलिए मुसलमान सोच रहा कि जिस का भय दिखाया जा रहा जैसे भाजपा का तो अगर उन्हीं के साथ हो जाए तो डर किस बात का।

मंडलायुक्त रोशन जैकब ने किया मत्स्य पालन उद्योग का निरीक्षण

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। क्षेत्र के बावन बुजुर्ग बल्ला में हो रहे मत्स्य पालन उद्योग का मंडलायुक्त ने बुधवार को निरीक्षण किया। इस दौरान मत्स्य पालको की समस्याओं के बारे में भी जानकारी हासिल की। साथ ही इसके विकास को लेकर आवश्यक सुझाव भी दिए। मंडलायुक्त ने इस दौरान कहा की ये यहाँ के लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है कि प्रदेश का सबसे बड़ा मत्स्य पालन उद्योग यहाँ पर चल रहा है। इस उद्योग को और भी बिकसित किये जाने की अवश्यकता है। आपको बता दें कि खुदायगंज मजरे बावन बुजुर्ग बल्ला में संचालित वी टू एस एक्वा प्राइवेट लिमिटेड जो नैशनल बेस्ट फार्मर अवार्ड 2022 में केंद्र मत्स्य मंत्रालय से सम्मानित है। मंडलायुक्त रोशन जैकब ने जिले में भ्रमण करने के दौरान निरीक्षण किया। इस दौरान मत्स्य पालन के प्रबंधक सुजीत चौधरी ने बिस्तार पूर्वक मत्स्य पालन के बारे में बताया वहीं चौधरी ने बताया कि यूपी में मत्स्य की 26 लाख टन मांग है। हमारे यहाँ 6 सौ टन का उत्पाद होता है। इस वर्ष इसे बढ़ा कर 13 सौ टन करने का काम चल रहा है ऐसा ही मत्स्य पालन परसदेपुर में भी चालू होने जा रहा है। जिस पर मंडलायुक्त ने मत्स्य पालन के प्रबंधक को काफी प्रोत्साहित भी किया और शासन से मिलने वाली हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान सीडीओ पूजा यादव सहायक मत्स्य निदेशक सुनीता वर्मा उपजिलाधिकारी धीरज श्रीवास्तव, तहसीलदार अभिनव पाठक, बिपिन मौर्या, महेश प्रसाद, मोहित सिंह, प्रधान सहदेव, पंकज गुप्ता, कोटेदार राज बहादुर मौर्या, सुनील गुप्ता, रियाज अहमद, क्षेत्राधिकारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि ने ग्राम प्रधान पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

संवाददाता, महराजगंज, रायबरेली। मऊ ग्राम सभा के क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भोलू सिंह द्वारा मऊ ग्राम सभा में व्याप्त समस्याओं को लेकर प्रेस वार्ता कर ग्राम प्रधान की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया। वार्ता के दौरान उन्होने गांव में सबसे अधिक पानी की समस्या पर जोर दिया उन्होने बताया कि दो वर्षो से जहां पानी की टंकी पानी नही दे रही है तो वहीं बाजार में लगा आरओ प्लाण्ट भी धोखा दे गया है। ऐसे में पूरे क्षेत्र में पानी की गम्भीर समस्या है। महराजगंज स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता करते हुए मऊ के क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भोलू सिंह ने कहा कि ग्राम प्रधान का भ्रष्टाचार चरम पर है। जो अमृत सरोवर नरेगा के मजदूरों द्वारा खोदा जाना चाहिए जिससे नरेगा मजदूरों को रोजगार मिल सके वह अमृत सरोवर जेसीबी लगाकर खोदा जा रहा है। उन्होने बताया कि जब इस बावत विकास खण्ड में तैनात पंचायत मंत्री आदित्य कुमार से षिकायत की गयी परन्तु नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा। यही नही उन्होने बताया कि पूरे अहलादी में बनी पानी की टंकी से 2 वर्षो से पानी सप्लाई नही मिल पा रही है यही नही मऊ बाजार में लाखों की लागत से लगा आर ओ प्लाण्ट भी काम नही कर रहा जिससे बाजार के व्यापारियों व राहगीरों को पानी नही नसीब हो रहा है।

लापता बेटे की तलाश में दर-दर भटक रही माँ पुलिस पर तलाश न करने का लगाया आरोप

पीड़िता ने परिवार के साथ पहुंचकर एसपी से की शिकायत

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

हरदोई। 16 दिन पहले पत्नी को विदा कराने गया युवक ससुराल से लापता हो गया। कई दिन थाने के चक्कर लगाने के बाद पुलिस ने पीड़ित परिवार की गुमशुदगी तो लिख ली लेकिन युवक को ढूंढने में तेजी नही दिखाई। लापता युवक की माँ काफी परेशान है वाबजूद इसके पुलिस कोई ध्यान नही दे रही है। बुधवार को पीड़ित परिवार एसपी से शिकायत करने पुलिस ऑफिस पहुंचा। जहां एसपी के न मिलने पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई गई है। बताते चले कि लोनार थाना क्षेत्र के पुरौरी गांव निवासी स्वर्गीय शहाबुद्दीन की पत्नी बिस्मिल्लाह ने पुलिस से शिकायत की है। जिसमें पीड़िता ने बताया कि उसका बेटा नसीम पिछले 16 दिनों से लापता है। सांडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत टेभनापुर गांव में वह अपनी ससुराल पत्नी को विदा करवाने गया था। उसके बाद से उसका कुछ पता नही चल पा रहा है। लापता होने के बाद जब बिस्मिल्लाह टेभनापुर उसके बारे में पता लगाने गयी तो मोहल्ले वालों ने बताया कि ससुरालीजनों ने उसको मारापीटा था तबसे वह गायब है। किसी अनहोनी के डर से पीड़िता ने सांडी थाने के चक्कर लगाना शुरू कर दिए। पुलिस को तहरीर दी लेकिन पुलिस ने कोई जांच पड़ताल नही की। अगले दिन पीड़िता से तहरीर बदलवाकर गुमशुदगी दर्ज कर ली। उसके बाद से पुलिस हाँथ पर हाँथ धरे बैठी है। सांडी पुलिस के लापता को ढूंढने में की जा रही लापरवाही से नाराज होकर पीड़ित परिवार एसपी की चौखट पर पहुंचा। लेकिन एसपी से मुलाकात नही हो सकी। पीड़िता ने आईजीआरएस के माध्यम से एसपी से शिकायत की है। बताया गया नसीम अपने परिवार में कमाऊ था और वही परिवार का पालन – पोषण करता था। बेटे के गायब होने से पीड़िता का रो-रोकर बुरा हाल है। साथ ही परिवार में जीवनयापन का संकट खड़ा हो गया है।

अवैध मस्जिद निर्माण के विरोध में जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

हरदोई। विहिप नेता हर्षवर्धन सिंह के नेतृत्व में कई अहम मांगों को लेकर विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में विहिप नेता ने कहा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में जीरो टॉलरेंस की प्रतिज्ञा के कारण प्रदेश में भय मुक्त समाज की स्थापना हो रही हैं परन्तु प्रदेश की राजधानी से जनपद हरदोई में कुछ माफ्रियाओं व कुछ अधिकारियों की सांठगांठ से शासन की नितियों को ठेंगा दिखाकर आम जनमानस को ठेंगा दिखाने का कार्य जनपद में किया जा रहा है जिसमें लगभग 20 वर्षों से तैनात लिपिक देश दीपक तिवारी व खाद्य विभाग में डिप्टी आरएमओ अनुराग पांडे आर एम कोपरेटिव अखिलेश प्रताप सिंह जैसे प्रमुख नाम है यह अधिकारी एक ही जनपद में वर्षों से तैनात सरकार की इन अधिकारियों पर ट्रांसफर पालिसी का कोई असर नहीं दिखाई देता है इतना ही नहीं हरदोई के थाना पिहानी के इटारा गांव के इरफान गाजी नाम के एक व्यक्ति को अधिकारियों द्वारा संरक्षण देकर धान व गेहूं की फर्जी खरीद कराकर स्वयं लाभ दिया जा रहा तथा खरीद फरोख्त करके फर्जी तरीके से आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित कर ली आज के समय में तीन तीन राइस मिल पेट्रोल पंप करोड़ों रूपयों की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया यही नहीं सरकारी भूमि पर एक भव्य मस्जिद का भी निर्माण करा दिया तथा हरदोई शहर में धर्मशाला रोड पर एक अवैध मस्जिद का निर्माण कार्य किया जा रहा है तथा थाना टड़ियावां के परसनी गांव में भी सरकारी जमीन पर भी अवैध मस्जिद का निर्माण किया जा रहा है तथा एक बार विधायक भाजपा रामपाल वर्मा ने भ्रष्ट अधिकारियों की उच्च स्तरीय जांच कराने के सम्बन्ध में शिकायती पत्र दिया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई अब देखते हैं कि ऐसे में सरकार द्वारा भृष्ट अधिकारी पर व संरक्षण प्राप्त व्यक्तियों पर सरकार की कोई ठोस कार्रवाई होती है या नहीं या इस तरह लिपापोती करके कहानी खत्म कर दी जाएगी इस मौके पर विश्व हिन्दू परिषद् के बहुत से पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिला को दहेज लोभियों ने पीटकर घर से निकाला

पुलिस ने घायल महिला को मेडिकल कॉलेज में दाखिल किया

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

हरदोई। पिहानी इलाके में प्रेग्नेंट महिला को पीटने के बाद दहेजलोभी मायके छोड़ दी गईं। दहेज में कार की मांग को लेकर काफी दिनों से महिला को प्रताड़ित करती थीं। कार की मांग ना पूरी होने पर सुसुरालियों ने महिला को पीट कर मायके में छोड़ दिया। एसपी से शिकायत करने पर महिला पुलिस कार्यालय के बाहर गिर गई। गंभीर जिसे राज्य में मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बताया गया था पिहानी थाना क्षेत्र के शाहपुर सादान निवासी प्रमिला की शादी 11 मई 2022 को शाह जोहपुर के रूजा में हुई थी। पीड़िता के पिता रामसरन के अनुसार उसने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। वबजूद इसकी सुसुरालीजन बेटी के साथ पिटता है। इस शादी के बाद से ही सुसुरालीजन अधिक दहेज को लेकर परेशान थे। इसके बाद दहेज में कार की मांग करने लगे जिससे पीड़िता के पिता ने देने में असमर्थता पैदा कर दी। इस पर प्रमिला के पति सतीश, सुसुरसुरेश, सास और देवर ने गिरावट को पीटना शुरू कर दिया। जिससे पीड़ा काफी परेशान हो गई और वह दर्द सहने में असमर्थ हो गई। जब उसकी बेटी 5माह की भविष्यवाणी हुई तो पति सहित ससुरालियों ने उसे डाउनलोड किया। दहेज में कार ना मिलने पर पति सतीश घायल हालत में मायके छोड़ दें। जिसे पिता रामसरन ने सीएचसी पिहानी में भर्ती का चुनाव कराया जहां इलाज के बाद उसने पुलिस से शिकायत की। मामले में कोई कार्रवाई ना होने से परेशान पिता ने एएसपी से गुहार लगाई। शिकायत करने के बाद महिला एसपी कार्यालय के बाहर गिर गई। जिसे महिला ने अंदर ले लिया और फिर बाहर लेकर आई। जिसके बाद महिला थाना ग्रेड ई- पर लादकर मेडिकल कॉलेज ले गई। दर्ज की हद तब पार हो गई जब एक महिला के लिए ना एंबुलेंस मिली और ना पुलिस की सरकारी गाड़ी का बंदोबस्त हो सका। फिर उसे ई – दाखिले पर लादकर अस्पताल ले जाया गया जोकि चर्चा में बना हुआ है। एएसपी पश्चिमी दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि पिहानी के शाहपुर सदन निवासी रामसरन आए थे।

डीएम व एसपी ने किया नगर क्षेत्र मे पैदल मार्च

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी जौनपर अनुज कुमार झा एवं पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ अजय पाल शर्मा द्वारा आगामी नगर निकाय चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने व सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत थानाक्षेत्र मुंगराबादशाहपुर में क्षेत्राधिकारी मछलीशहर, थानाध्यक्ष मुंगराबाद शाहपुर व पुलिस बल के साथ पैदल मार्च किया गया। इस दौरान मुंगरा बादशाहपुर नगर के प्रतापगढ़ रोड़, प्रयागराज मार्ग, जौनपुर मार्ग, सहबगंज, नईगंज, गुड़हाई, कटरा, नई बाजार, सहित नए समलित संबंधित क्षेत्रों में भी पैदल मार्च कर सम्बन्धित लोगो को आवश्यक आदेश-निर्देश दिए गए। इस दौरान लोगो को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से कहाकि इस निकाय चुनाव में यदि कोई बाधक बनता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। आप लोग आगामी निकाय चुनाव के आचार संहिता का कड़ाई से पालन करे। आप लोग अपने क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रक्खे। इस दौरान उपजिलाधिकारी राजेश चौरसिया, क्षेत्राधिकारी अतर सिंह, थानाध्यक्ष मुंगरा बादशाहपुर विवेक कुमार तिवारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल पैदल मार्च में शामिल रहे।

तहसील एवं ब्लॉक स्तर पर हो अग्निशमन दमकल की व्यवस्था

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

सुलतानपुर। कटका क्लब सामाजिक संस्था के द्वारा आए दिन क्षेत्र पर हो रही अग्नि की घटनाओं के संबंध में जिलाधकारी जसजीत कौर को प्रार्थना पत्र दिया गया। साथ मे मांग की गई ब्लॉक स्तर व तहसील स्तर पर अग्निशमन दमकल की व्यवस्था कराई जाए। इस मौके पर उपस्थित कटका क्लब के अध्यक्ष सौरभ मिश्रा ने कहा कि क्षेत्र हो रही मार्च-अप्रैल मई-जून के महीनों में आग लगने की घटनाएं आती रहती है जिसमे तेज हवा चलने से क्षेत्र वासियों का लाखों का नुस्कान हो जाता है। कहीं भी आग लगने पर अग्निशमन विभाग से दमकल समय पर न पहुँच पाने की वजह से आग बुझाने में कामयाबी नही हो पाती है। इस मौके पर उपस्थित आईटी सेल प्रभारी मोनू यादव ने कहा कि जब क्षेत्र के अंदर आग लगने की घटना सामने आती है जब तक दमकल गाड़ी पहुंचती है तब तक सबकुछ जल चुका होता है। कहा कि आगे गेहूं कटनी का समय है। इस मौसम में अग्निकांड की विशेष संभावना बनी रहती है। इसलिए आगे किसी तरह की अनहोनी न हो इसका ख्याल रखते हुए तहसील स्तर व ब्लॉक स्तर पर दमकल गाड़ी उपलब्ध कराया जाए।

जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष के बाद युवक की मौत, तीन अन्य घायल

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

ऊँचाहार, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के कनकपुर मजरे कंदरावां गांव में दो पक्षों के बीच हुए जमीनी विवाद में जमकर मारपीट हो गई घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गये, जिसमें गम्भीर रूप से घायल महिला को सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है और मामले की छानबीन कर रही है। गाँव निवासी समरजीत सिंह ने अपनी बहन राजरानी को गांव में ही जमीन दी है, जिस पर वो आवास का निर्माण करवा रही थी,लेकिन ससुराल में ही रह रहे पड़ोसी बिंदाबख्स सिंह उक्त जमीन को अपने हिस्से की बताकर विवाद कर रहे थे, इसी बात को लेकर बुधवार की दोपहर बाद दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद जमकर मारपीट हो गई और दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले, घटना में एक पक्ष से राजरानी का बेटा आशु सिंह 26 वर्ष, समरजीत सिंह 40 वर्ष व समरजीत का बेटा अनुज सिंह 22 वर्ष घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष से बिंदाबख्श की पत्नी मालती सिंह 45 वर्ष घायल हो गई,सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने आशु को मृत घोषित कर दिया, जबकि मालती को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है, घटना की सूचना पर सीओ रामकिशोर सिंह ,कोतवाल बालेन्दु गौतम मौके पर पहुंचे और घटना के बारे में जानकारी हासिल की, जिसके बाद पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है,वहीं एक पक्ष से राजरानी ने तीन लोगों के विरुद्ध मामले की तहरीर दी है।सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज कुमार शुक्ल ने बताया कि एक युवक को मृत अवस्था में सीएचसी लाया गया था, जबकि तीन अन्य घायलों में एक महिला को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। इस बाबत सीओ रामकिशोर सिंह ने बताया कि राजरानी की तहरीर पर अनूप सिंह, मालती सिंह व बिंदाबख्श सिंह के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एडवाइजरी जारी, डीएम ने दिए टिप्स

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

हरदोई। तेजी से बढ़ रही गर्मी के दृष्टिगत संभावित अग्नि काण्डों से बचाव को लेकर जिलाधिकारी श्री मंगला प्रसाद सिंह ने जनसामान्य को बचाव के टिप्स देते हुए सचेत किया है। उन्होंने कहा कि गर्मी बढ़ने के साथ ही अग्निकाण्ड की घटनाएं भी प्रारम्भ हो गई हैं। गर्मी के दिनों में जब तेज पछुआ हवा चलती है तो गांवों में अग्निकांड की घटनाएं बड़े पैमाने पर घटित होती हैं जिसके फलस्वरूप हमारे घर, खेत, खलिहान एवं जान-माल को भारी क्षति पहुंचती है। जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण इन घटनाओं से होने वाली क्षति को कम करने के लिए जागरूकता अभियान चला रहा है।जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्षध्जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने इस सम्बन्ध में बताया कि बहुत छोटी-छोटी सावधानियां बरत कर हम अग्निकांड की घटनाओं को रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी में लगने वाली आग से गांव अत्यधिक प्रभावित होते हैं। ऐसे में रसोई घर यदि फूस का हो तो उसकी दीवाल पर मिट्टी का लेप अवश्य लगा दें। रसोई घर की छत ऊंची रखी जाए। आग बुझाने के लिए घर में बोरे में भरकर बालू अथवा मिट्टी तथा दो बाल्टी पानी अवश्य रखें। हवन आदि का काम सुबह नौ बजे से पहले सम्पन्न कर लें। शार्ट सर्किट की आग से बचने के लिए बिजली वायरिंग की समय पर मरम्मत करा लें। मवेशियों को आग से बचाने के लिए मवेशी घर के पास पर्याप्त मात्रा में पानी का इंतजाम रखें एवं उनकी निगरानी अवश्य करते रहें। गर्मी के दिनों में दिन में तेज व गर्म हवाएं चलती हैं इसलिए जहां तक सम्भव हो गर्मियों में दिन का खाना 09 बजे सुबह से पूर्व बना लें तथा रात का खाना शाम 06 बजे के बाद बनाएं। बिजली के ढीले तारों से निकली चिंगारी भी आग लगने का कारण बन जाती है। इसलिए जहां कहीं भी ढीले तार दिखें उसकी सूचना बिना देर किए बिजली विभाग को दें। आग लगने पर सर्वप्रथम समुदाय के सहयोग से आग बुझाने का प्रयास करें। आवश्यकता होने पर आग बुझाने के लिए फायर बिग्रेड एवं प्रशासन को तुरंत सूचित करें। अगर कपड़ों में आग लगे तो जमीन पर लेटकर या लुढ़क कर उसे बुझाने का प्रयास करें। जनसामान्य को आग से बचाव के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि दीपक, लालटेन, मोमबत्ती को ऐसी जगहों पर न रखें जहां से गिरकर आग लगने की संभावना हो। कटनी के बाद खेत में छोड़े डंठलों में आग नहीं लगाएं। भोजन बनाने का कार्य तेज हवा के समय न करें। जलती हुई माचिस की तीली अथवा अधजली बीड़ी एवं सिगरेट पीकर इधर-उधर न फेंकें। खाना बनाते समय ढीले-ढाले और पॉलिस्टर के कपड़े न पहनें। हमेशा सूती कपड़े पहनकर ही खाना बनाएं। सार्वजनिक स्थानों, ट्रेनों एवं बसों आदि में ज्वलनशील पदार्थ लेकर न चलें।

परिजनों का आरोप चिकित्सक की लापरवाही से हुई प्रसूता की मौत, हंगामा

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

ऊँचाहार, रायबरेली। प्रसव के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आई एक प्रसूता की प्रसव के बाद मौत हो गई है। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा काटा है। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सक की लापरवाही से प्रसूता की मौत हुई है। क्षेत्र के गांव खोजनपुर आईटीआई कालेज के पास निवासी अनुज कुमार की पत्नी निशा (32 वर्ष) को प्रसव पीड़ा होने पर मंगलवार की शाम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। बताया जाता है कि प्रात: काल 3रू15 बजे प्रसूता ने एक बेटी को जन्म दिया। यह उसका चौथा बच्चा था। प्रसव के बाद प्रसूता को वार्ड में भर्ती करा दिया गया। बुधवार की सुबह करीब 8 बजे उसकी अस्पताल में मौत हो गई ।मौत के बाद प्रसूता के परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के बाद लगातार रक्तस्राव हो रहा था और चिकित्सकों ने उसकी देखभाल नहीं की। चिकित्सकों की लापरवाही और अधिक खून बह जाने के कारण प्रसूता की मौत हुई है । सीएससी अधीक्षक डॉ मनोज शुक्ला ने बताया कि प्रसूता का सुरक्षित प्रसव कराया गया था । वह सामान्य अवस्था में थी। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ उसकी निगरानी कर रहे थे। मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। उधर अस्पताल में प्रसूता की मौत के बाद गांव के प्रधान प्रतिनिधि सुधीर गुप्ता भी अस्पताल पहुंचे और उन्होंने चिकित्सकों से बातचीत भी की है। मामले में कोई लिखित शिकायत नहीं की गई है।

निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान आचार संहिता का पूरी तरह अनुपालन किया जाये :एम0पी0 सिंह

संवाददाता, हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों की बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आदर्श आचार संहिता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नामांकन का कार्य तहसील मुख्यालयों में चल रहा है। उन्होंने कहा कि आचार संहिता का पूरी तरह अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। कोई भी राजनीतिक कार्यक्रम करने से पूर्व अनुमति अवश्य प्राप्त कर ली जाए। सहायक निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिए कि मतदान पार्टियों की रवानगी स्थल आदि की जानकारी राजनीतिक दलों को दी जाए। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने विभिन्न सवाल रखे जिनका चुनाव आयोग के निर्देशों के आलोक में समाधान किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि स्टेटिक सर्विलांस टीमों को सक्रिय रखा जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, नगर मजिस्ट्रेट प्रशान्त तिवारी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कांस्टेबल ने यातायात बूथ में फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता, हरदोई। ट्रैफिक सिपाही ने बूथ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब ट्रैफिक पुलिसकर्मी पहुंचे तो यह सब देखकर दंग रह गए। सूचना मिलने पर एसपी समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। सिपाही के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों को सूचना देने के बाद पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी है। बताते चले कि देवरिया निवासी अशोक कुमार यादव हरदोई में ट्रैफिक पुलिस में तैनात था। उसका शव आज सोल्जर बोर्ड चौराहा स्थित यातायात बूथ में लटका मिला। जिसे देखकर साथी पुलिसकर्मी व स्थानीय लोग दंग रह गए। सूचना पर एसपी, एएसपी समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। शहर कोतवाली पुलिस ने शव को उतरवाकर कब्जे में लिया है, और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मृतक अशोक के परिजनों को सूचना दी है और आत्महत्या के कारणों के जांच में जुटी है। फिलहाल अभी तक आत्महत्या करने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि ट्रैफिक कांस्टेबल अशोक कुमार यादव ने फांसी लगाकर सुसाइड किया है।

टीबी मरीज के सहयोग में आगे आई जीएसबी संस्था

10 मरीजों को लिया और पोषण पोटली देने का दिया आश्वासन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

मिर्जापुर। टीबी मरीज के सहयोग में जिले की नारी सशक्तिकरण पर काम करने वाली संस्था ने 10 टीबी मरीजों को गोद लेने का कार्य किया है। जो एक सराहनीय कदम है। इस आशय की जानकारी जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर यू0एन0सिंह ने दी। जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि जलालपुर स्थित जीएसबी संस्था की प्रबन्धक ने अपने कार्यक्रम के दौरान एक टीबी मरीज हीरालाल प्रजापति को खोजा और उसके बाद विभाग को भी सूचना दिया फिर संस्था प्रबन्धक फारिहा खान ने विभाग से और टीबी मरीज को गोद लेने की बात कही तो विभाग के द्वारा इनके सेवा भाव के कार्य को देखते हुए इनको विभाग की ओर से 09 मरीज को गोद देने का फैसला किया उसके बाद संस्था द्वारा अगले छह माह तक दवा के साथ ही साथ पोषण पोटली देने का आश्वासन दिया और उनका पूरा ध्यान रखने का भी विश्वास दिलाया और फारिहा खान ने कहा कि आगे भी जरूरत होगी विभाग का संस्था के द्वारा पूर्ण सहयोग किया जायेगा। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि शासन स्तर पर दिये गये निर्देशों के अनुसार ही टीबी रोगियों को खोजने का कार्य लगातार किया जा रहा है। जिले के आबादी का 47 प्रतिशत लोगों का घरण्घर जाकर स्क्रीनिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। यदि कोई मरीज मिलता है तो विभाग की ओर से उसका नि:शुल्क उपचार किया जाता रहा है मैने खुद एपेक्स चिकित्सालय में जिलाधिकारी की मौजूदगी में 70 मरीजों को गोद लिया और उनकी सारी जिम्मेदारी व आवश्यकताओं कोअगले छह माह तक अनवर पूर्ण करूंगा अभी और परिवार को गोद लिया जायेगा। जिला कार्यक्रम समन्वयक संन्ध्या गुप्ता ने बताया कि विभाग के सभी कर्मचारी कोविड के नियमों का पालन करते हुए टीबी के मरीजों का चिन्हाकंन कर रहे है। यदि किसी को 2 हफ्ते से ज्यादा खांसी आती हो और खांसते समय खून आता होए सीने में दर्द तथा बुखार एवं वजन कम होने की शिकायत हो तो वे अपने बलगम की जांच अवश्य कराएं। सरकारी अस्पतालों में यह जांच निशुल्क कराई जाती है। उन्होंने बताया कि 2021-22 में 2356 टी0वी0 मरीजो को चिन्हित किया जा चुका है। जिनको 500 दर से लगभग 98 लाख रूपये बांटे जा चुके है। प्रत्येक विकास खण्ड केन्द्रों पर एकण्एक टी0बी0 जांच यूनिट है ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों की जाँच वहीं पर किया जा सके।

योजना का उद्देश्य

क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के सतीश यादव ने बताया कि इस अभियान को जनआन्दोलन बनाकर आमजन को बताना होगा कि इस बीमारी की रोकथाम संभव है। इसका इलाज आसान व जिले के सभी केन्द्रों पर निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है लोगों को यह भी बताना होगा कि टीबी के कीटाणु हर व्यक्ति के शरीर में मौजूद होते हैं। लेकिन जब व्यक्ति का रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। तो व्यक्ति में यह रोग दिखता है। इलाज से इस बीमारी से आसानी से छुटकारा मिल सकता है। ये सभी जिले के समस्त व्यक्तियों तक पहुंचने के बाद ही टीबी से प्रभावित लोग इलाज की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

भाकियू ने विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम को दिया ज्ञापन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

शाहजहाँपुर। (पुवायां) भारतीय किसान यूनियन (राष्ट्रवादी) ने किसानों की समस्याओं को लेकर डीएम उमेश प्रताप सिंह को संबोधित ज्ञापन एसडीएम हिमांशु उपाध्याय को सौंपा। कार्यकर्ताओं ने दिए ज्ञापन में बताया कि क्षेत्र के आवारा पशुओं को पकड़वाकर गौशालाओ में भिजवाया जाए, बंडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत टिकरी, पिपरिया हरिश्चंद्र, उगना आदि ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार चरम रूप से फैला हुआ है। ब्लॉक के कर्मियों द्वारा पैसे लेकर अपात्रों के नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में शामिल किए जा रहे हैं, ग्राम पंचायत इंदलपुर के दुर्गा प्रसाद के पुत्र को बंडा क्षेत्र का एक व्यक्ति काम करने के बहाने ले गया और उसको गायब कर दिया जिसका मुकदमा भी बंडा थाने पर पंजीकृत है लेकिन उसका अभी तक कोई पता नहीं लग पाया है, उसका पता लगवाया जाये। सिधौंली ब्लॉक के ग्राम पंचायत सहोरा में कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जा है उसको हटाया जाए, ग्राम पंचायत कुंभिया माफी में कुछ लोगों के नाम राशन कार्ड की लिस्ट से कटे हैं उनके नाम दर्ज करवाकर उन्हें राशन दिलवाया जाए। कार्यकर्ताओं का कहना है कि अगर किसानों की समस्याओं का समाधान नही किया गया तो उन्नीस अप्रैल से तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन एवं राजीव चौक पर चक्का जाम करेंगे। जिसकी जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में तहसील अध्यक्ष सत्यवीर सिंह चौहान, लक्ष्मण वर्मा, रमाकांत, रिंकू दुर्गा प्रसाद, मनोरमा, राम श्री, सावित्री देवी, रामदेवी, सुशीला, देवीकिरन देवी आदि कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी ने नगर निकाय सामान्य निर्वाचन कलेक्ट्रेट परिसर में निर्वाचन नियंत्रण कक्ष का किया निरीक्षण

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

उरई (जालौन)। जिला निर्वाचन अधिकारीध्जिलाधिकारी चाँदनी सिंह ने नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2022-23 कलेक्ट्रेट परिसर में निर्वाचन नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि नगरीय सामान्य निर्वाचन को पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के लिए कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रहेगा प्राप्त शिकायतों का तत्काल संज्ञान लिया जाएगा साथ ही समय अवधि के अंदर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कंट्रोल रूम में तैनात अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कंट्रोल रूम पर आने वाली कॉल को रिसीव न करने और उसका नियमानुसार निराकरण न करने पर संबंधित कर्मचारी व अधिकारियों के विरुद्ध जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जनपद स्तर के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में कंट्रोल रूम नंबर 05162-250855 व मोबाइल नंबर 7307571929 पर प्राप्त होने वाली शिकायतों को नियमानुसार निस्तारण कराया जाए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। कंट्रोल रूम पर तीन पालियों में अधिकारी व कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी पूनम निगम, उपायुक्त स्वत: रोजगार अवधेश दीक्षित आदि मौजूद रहे।

भाई के साथ जेवर व नगदी लेकर बहू के भाग जाने की शिकायत डीएम से

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

उरई (जालौन)। सूनसान घर से भाई के साथ जेवर व नगदी लेकर बहूं के भाग जाने की शिकायत पीड़ित महिला ने जिलाधिकारी से करते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

शहर कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला इंद्रानगर राठरोड़ निवासी पप्पी देवी पत्नी फूल सिंह ने आज बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंच कर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि वह मेहनत मजदूरी करती है उसके पुत्र सागर की शादी पूनम पुत्री हरीओम निवासी कोछा भावर थाना नबाबाद जनपद झांसी के साथ लगभग 15 माह पहले हुई है तथा प्रार्थनी का पुत्र ई-रिक्शा चलाकर भरण पोषण करता है तथा प्रार्थनी व उसका पति गल्ला मंडी में मजदूरी करने चले गये। यह भी बताया कि 9 अप्रैल को बहूं पूनम का भाई सोनू पुत्र हरीओम लेने आया जो घर पर नहीं आया और बहूं पूनम प्रार्थनी व अपना पूरा जेवरात जिसकी कीमत लगभग दो लाख पचास हजार व 60 हजार एवं परचूनी की दुकान का पैसा लेकर भाई के साथ चली गयी प्रार्थनी व पुत्र तथा पति शाम को घर आये तो देखा ताला बाहर से बंद है तो मुहल्ले के लोगों ने बताया कि तुम्हारी बहूं मकान की चाबी दरवाजे के अंदर डाल गयी है। पीड़ित महिला का कहना है जब बहूं से मोबाइल पर बात की तो उल्टा सीधा बोलने लगी और कहने लगी कि तुम लोगों के खिलाफ मेरे मायके वाले शिकायत करेंगे तब तुम लोगों को समझ में आयेगा।पीडित महिला पप्पी का कहना है कि उसकी बहूं पूनम ने अपने भाई और माता-पिता के कहने पर यह घटना को अंजाम दिया है।पीड़ित महिला ने जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाते हुए मांग की है उसकी पुत्रबधू को जेवरात सहित वापस करवाया जाये।

राष्ट्रीय लोक अदालत न्यायिक उत्सव का होगा आयोजन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

उन्नाव। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उन्नाव के निर्देशों के अनुपालन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 मई के आयोजन में बिजली विभाग से सम्बन्धित वादों के मामलों का अधिक से अधिक निस्तारण सुनिश्चित कराए जाने को लेकर बुधवार शाम को अवधेश कुमार अपर जिला जजध्सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उन्नाव द्वारा विश्राम कक्ष में बैठक आहूत की गयी जिसकी अध्यक्षता महेन्द्र श्रीवास्तव, अपर जिला जज ध्नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा की गयी जिसमें निम्न बिजली विभाग के पदाधिकारीगण हेमेन्द्र सिंह अधिशाषी अभियन्ता विद्युत, अमित सिंह उपखण्ड अधिकारी विद्युत नगर क्षेत्र आदि उपस्थित रहें। उक्त बैठक में महेन्द्र श्रीवास्तव, अपर जिला जज ध्नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा लोक अदालत में निस्तारण होने योग्य बिजली विभाग से सम्बन्धित वादों की समीक्षा करते हुए आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु विचार-विमर्श किया गया और सम्बन्धित बिजली विभाग के अधिकारीगण को लोक अदालत में निस्तारण योग्य वादों को चिन्हित करते हुए आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 मई में निस्तारण कराने एवं चिन्हित वादों से सम्बन्धित पक्षकारों पर नोटिस की तामिला भी समय से कराया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए जिससे अधिक से साधिक वादों का निस्तारण आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 मई का आयोजन किया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ की कार्ययोजना वर्ष 2023-2024 के क्रियान्वन के क्रम में कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उन्नाव की जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रतिमा श्रीवास्तव, के दिशा निर्देश में बुधवार को जिला कारागार, उन्नाव का निरीक्षण एवं विधिक जागरूकता शिविर अवधेश कुमार अपर जिला जजध्सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उन्नाव के द्वारा सम्पन्न किया गया। उक्त कार्यक्रम में जेल अधीक्षक राम शिरोमणि यादव, डिप्टी जेलर सुश्री अंजलि वर्मा, डिप्टी जेलर प्रभाकांत पाण्डेय उपस्थित रहे।

रमजान का तीसरा अशरा शुरू, मिलती है जहन्नुम से आजादी

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

उन्नाव। मुकद्दस रमजान का महीना बेशुमार बरकतों वाला है। इस महीने में रोजेदारों पर अल्लाह तआला की बेशुमार रहमतें बरसती हैं। सारे गुनाह माफ हो जाते हैं। इस महीने का तीसरा अशरा 20वें रोजे की मगरिब से शुरू हो चुका है जो ईद का चांद दिखाई देने तक जारी रहता है। इसमें इबादत करने से जहन्नुम से आजादी मिलती है। शहर के दादा मियां चौराहे की ईक मिनारी मस्जिद के पेश इमाम महताब रजा साहब ने बताया कि रमजान-पाक को तीन अशरों में बांटा गया है। दूसरा अशरा मुकम्मल हो चुका है। तीसरे अशरे की शुरूआत के साथ ही मस्जिदों और घरों में एतकाफ का सिलसिला शुरू हो गया । रमजान में 20 वें रोजे के मगरिब से शुरू होकर चांद रात तक मस्जिद में रहकर अल्लाह की इबादत करने को ऐतकाफ कहा जाता है। तीसरे अशरे की ताक रातों में शब-ए-कद्र भी आएगी। इसी अशरे की 21, 23, 25, 27 और 29वीं रात शब कद्र की पाक रात है। उन्होंने कहा शबे कद्र की रात को हजार महीने की रातों के बराबर बताया गया है। लेकिन वह कौन सी रात है, किस रात को कुरान शरीफ नाजिल हुआ, यह किसी को मालूम नहीं है। इसलिए रोजेदार इन पांच रात को जागकर अल्लाह रब्बुल इज्जत की इबादत करते हैं। रमजान के तीसरे अशरे में ही फित्तरा और जकात भी अदा की जाती है, जिससे ईद की नमाज गरीब लोग भी खुशी से अदा कर सकें। वैसे ईद के बाद भी फित्तरा और जकात निकाला जा सकता है लेकिन रमजान में ही निकालना बेहतर होता है।

ऐतकाफ क्या है

रमजान के आखिरी अशरे में ऐतकाफ यानी प्रवास किया जाता है. इसका मतलब होता है कि इंसान अपनी सभी जिम्मेदारियों से खुद को अलग कर दस दिन अल्लाह की इबादत के लिए वक्फ कर दे. बीसवें रोजे से ईद का चांद दखने तक दूनियादारी से दूर मस्जिद में ठहरकर इबादत करे. ऐतकाफ करना सुन्नत-ए-मोक्किदा है. इसका मतलब मस्जिद में आने वाले लोगों में से एक शख्स भी ऐतकाफ में बैठ जाए तो पूरी आबादी की सुन्नत अदा हो जाती है. मस्जिदों में एक से लेकर कई-कई शख्स ऐतकाफ करेंगे.

विधानसभा छानबे के तहसील लालगंज से निकाली गयी भव्य मतदाता जागरूकता रैली

आर्दश आचार संहित के पालन करने का भी दिया गया निर्देश

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

मीरजापुर। विधानसभा 395-छानबे में अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करे इसके दृष्टिगत आज तहसील लालगंज परिसर मे मतदाता जागरूकता अभियान के तहत दिव्यांगजन, महिला एवं सामान्य लोगो की मोटर साइकिल व स्कूटी रैली निकालकर आगामी विधानसभा उप चुनाव के दिन अधिक से अधिक लोगो को मतदान करने हेतु जागरूक किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ध्जिला मजिस्ट्रेट दिव्या मित्तल व मुख्य विकास अधिकारीध्प्रभारी अधिकारी स्वीप श्रीलक्ष्मी वीएस के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया गया। रैली में भारी संख्या में दिव्यांग बन्धुओ के द्वारा अपनी ट्राई साइकिल पर ''जन-जन का यह नारा है मतदान अधिकार हमारा है'' सहित आदि स्लोगन लिखकर लालगंज क्षेत्र के बाजारों में भ्रमण कर मतदान करने के प्रति लोगो को जागरूक किया गया। इसी क्रम में भारी संख्या में महिला व पुरूषो के द्वारा भी स्कूटीध्मोटरसाइकिल रैली निकालकर लालगंज क्षेत्र के विभिन्न गाँव में जाकर अपने मताधिकार के प्रति लोगो को जागरूक किया गया। कार्यक्रम स्थल पर मतदाता जागरूकता हेतु अनेक रंगोली स्कूली बच्चों के द्वारा बनाकर मतदान करने के प्रति लोगो को इंगित किया गया इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी दिव्या मित्तल ने उपस्थित युवा मतदाओं व अन्य मतदाताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद प्रत्येक 05 वर्ष में एक बार मताधिकार का अवसर मिलता हैं। उन्होने कहा कि देश को चलाने एवं उसे विकास के पथ पर ले जाने के लिये एक अच्छे एवं मजबूत लोकतांत्रिक सरकार की आवश्यकता होती है और हम सब सौभाग्यशाली है कि अपनी सरकार चुनने का हम सबको अधिकार प्राप्त हैं। उन्होने कहा कि प्रत्येक मतदाता आगामी 10 मई 2023 को प्रात: काल ही अपने घरो से निकलकर अपने से सम्बन्धित मतदेय स्थल पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि देश को अच्छी तरह चलाने के लिये प्रत्येक मतदाता के मत का प्रयोग होना आवश्यक हैं। उन्होने कहा कि गुलामी जंजीरो से आजादी दिलाने का कार्य हमारे पूर्वजो ने अपना सर्वस्त्र न्यौछावर स्वतंत्र भारत में जीने का अधिकार हम लोगो को दिया हैं और अपनी सरकार स्वयं चुनने का अधिकार भी हम सभी को प्राप्त हैं। उन्होने कहा कि यही वह दान है जो गरीबी और अमीरी को न देखकर सभी का बराबर का अधिकार हैं। उन्होने कहा कि आपके एक दिन मत न देने से गलत लोगो का चुनाव हो जाता है और देश को विश्व पटल से विकास के पथ पर पीछे हो जाता है। उन्होने कहा कि सभी लोग अपने घरो से निकलकर मताधिकार का प्रयोग करे और अच्छी मजबूत लोकतांत्रिक सरकार बनाने में मद्द करें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

पीलीभीत । जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक कलेक्टेज्र कार्यालय कक्ष में सम्पन्न हुई। जल जीवन मिशन (फेज-2) की समीक्षा के दौरान जनपद की 280 ग्राम पंचायतों के 465 राजस्व ग्रामों की पाइप पेयजल योजनाओं की 264 नग डी0पी0आर0 के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की आवश्यक कार्यवाही राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन लखनऊ को प्रेषित किया गया है, राज्य स्तर से स्वीकृति समिति द्वारा जनपद की 280 नग समस्त ग्राम पंचायतों की पाइप पेयजल योजनाओं की 264 नग डी0पी0आर0 को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। समीक्षा के दौरान 264 नग डी0पी0आर0 के सापेक्ष वर्तमान में फर्म द्वारा 243 नग स्थल पर कार्य प्रारम्भ करा दिया गया, जिलाधिकारी ने अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये। मिशन फेज-2 के अन्तर्गत टयूववेल कार्यों में प्रगति कम पाये जाने पर तेजी के साथ कार्य कराने के निर्देश दिये। बैठक के दौरान ग्राम पंचायत हेतु सोलर कार्यो की आपूर्ति करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने अधिशासी अभियन्ता जल निगम को निर्देश दिये कि पेयजल योजनाओं को सोलर प्लांट से संचालित कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही जिलाधिकारी द्वाराने अवशेष जलाशय का कार्य शीघ्र प्रारम्भ कराने व पेयजल योजनाओं को शिरोपरि जलाशय के द्वारा जलापूर्ति से सम्बन्धित विचार विमर्श किया।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ तीर्थपुरोहित बच्चालाल पाठक का निधन

संवाददाता, विंध्याचल , मीरजापुर । विंध्यवासिनी मंदिर के वरिष्ठ तीर्थपुरोहित तथा विंध्यवासिनी आराधना केंद्र से संस्थापक बच्चलाल पाठक गोलोकवासी हो गए । प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग 90 वर्ष की आयु में बुधवार की सुबह उन्होंने अपने निज निवास पर अंतिम सांस ली । दिवंगत होने की जानकारी पर परिजनों सहित स्थानियों में शोक की लहर फैल गई । उनके अंतिम दर्शन तथा शोक संवेदना के दृष्टिगत सैकड़ों लोग उनके आवास पर पहुंचे । रामगया घाट पर उनकी अंत्येष्टि की गई । अंतेष्टि के समय भी घाट पर काफी भीड़ मौजूद रही । बच्चालाल पाठक विंध्याचल के विशिष्ट व्यक्तियों में से एक प्रमुख व्यक्ति रहे । पिछले कई दशकों से देश के नामी गिरामी व्यक्तियों को मां विंध्यवासिनी के चरणों से जोड़ने वाले इस दिवंगत व्यक्ति देश के पूर्वराष्ट्रपति व पूर्व प्रधानमंत्री को भी दर्शन पूजन करा चुके थे । हर व्यक्तियों से अपनापन तथा मुस्कुराहट के साथ मिलने वाले शख्स ने अपने जीवन में तमाम विषम परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद भी एकदम से निर्विवाद रहे ।

नि: शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया

संवाददाता, सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लाक के घोरही उर्फ रौनिहवा में एसएसबी 50वीं वाहिनी के महादेव बुजुर्ग बीओपी के सौजन्य से बुधवार को निरूशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।इस दौरान एसएसबी के पशु चिकित्साधिकारी डा.सुशान्त पारेकर शाहा द्वारा 85 पशुओं के स्वास्थ्य का परीक्षण कर उन्हें निरू शुल्क दवा वितरित किया गया। पशु चिकित्सकों ने ग्रामीणों को बरसात में पशुओं में होने वाली बीमारियों की जानकारी और रोकथाम के उपाए भी बताए। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि सही जानकारी न होने से रोग घातक हो जाते हैं। अगर, इनकी सही समय पर पहचान हो जाए। साथ ही सही समय पर दवा मिल जाए तो घातक रोगों से निपटा जा सकता है।इस दौरान सहायक सेनानायक एचएस पटियाल ने कहा कि एसएसबी की ओर से अपने सामाजिक दायित्वों के निर्वाहन के लिए समय-समय पर ऐसे निरूशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता है।इस दौरान बीओपी प्रभारी निरीक्षक रेखा कुमारी,एसआई सत्येन्द्र कुमार, ग्राम प्रधान विजय प्रकाश पाण्डेय,पवन कुमार,संजीत कुमार पाण्डेय आदि मौजूद थे।

जमीन कब्जा होने से परेशान किसान बुजुर्ग ने खुद को लगाई आग

संवाददाता, उन्नाव। थाना माँखी क्षेत्र पवई गांव में दबंग पड़ोसी से आहत बुजुर्ग ने घर के सामने खुद पर ज्वलनशील पद्धार्थ डालकर आग लगा ली है। दबंगों द्वारा खेत व घर के सहन पर कब्जा किए जाने से परेशान बुजुर्ग ने आग लगा ली है। पुलिस व प्रशासन से न्याय न मिलने पर बुजुर्ग ने गांव में आत्मदाह किया है। जिसके बाद वह गंभीर रूप से झुलस गया है। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आनन फानन में बुजुर्ग की आग पर काबू पाया और तत्काल पुलिस को सूचना की मौके पर पहुंची पुलिस ने बुजुर्ग को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है जँहा घायल बुजुर्ग का इलाज चल रहा है। आपको बता दें कि उन्नाव जनपद के माँखी थाना क्षेत्र के पवई गांव में एक बुजुर्ग ने दबंगो से परेशान होकर खुद को आग के हवाले कर दिया है। बुजुर्ग द्वारा पक्का निर्माण किए जाने का विरोध करने पर दबंगो ने बुजर्ग से गाली गलौज की थी। दबंग पड़ोसी से आहत होकर बुजुर्ग ने घर के सामने खुद पर ज्वलनशील पद्धार्थ डालकर आग लगा ली है। पुलिस व प्रशासन से न्याय न मिलने पर बुजुर्ग ने गांव में आत्मदाह किया है। ग्रामीणों ने बुजुर्ग की आग पर काबू पाते हुए उसे बचा लिया है फिर भी बुजुर्ग बुरी तरह झुलस गया है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बुजुर्ग को जिला अस्पताल में कराया भर्ती कराया है।

जिलाधिकारी ने क्रॉप कटिंग के माध्यम से जानी गेहूँ की औसत उत्पादकता

संवाददाता, पीलीभीत । गेहूँ की फसल का औसत उत्पादकता जानने के लिए शासन के निर्देशों के क्रम में कराई जाने वाली क्रॉप कटिंग के अन्तर्गत जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार द्वारा ग्राम पिपरिया अगरू में मौके पर पहुँचकर क्रॉप कटिंग कराई गई। जिलाधिकारी ने क्रॉप कटिंग से सम्बन्धित बिन्दुओं का निरीक्षण किया गया तथा उपस्थित किसानों से वार्ता की। जिला स्तरीय तथा तहसील स्तरीय अधिकारियों द्वारा रैंडम आधार पर चयनित खेतों में क्रॉप कटिंग की समय सारणी बनी हुई है, जिसके आधार पर निश्चित समय पर उपस्थित होकर अपने समक्ष क्रॉप कटिंग कराई जाती है क्रॉप कटिंग के परिणामों एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं को लागू करने के साथ साथ अनुमानित उत्पादन ज्ञात करने के लिए किया जाता है। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार सदर जनार्दन, क्षेत्रीय लेखपाल, राजस्व निरीक्षक सहित अन्य उपस्थित रहे।

ज्वाला देवी के भैया हिमांशु द्विवेदी बने नायब तहसीलदार

हिमांशु के चयनित होने पर हुआ सम्मान

संवाददाता

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर के पूर्व छात्र भैया हिमांशु द्विवेदी का चयन नायब तहसीलदार के पद पर हुआ है। मंगलवार को सम्मान समारोह का आयोजन विद्यालय में मां सरस्वती के सम्मुख दीपार्चन पुष्पार्चन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। विद्यालय के आचार्य सुरेश त्रिपाठी ने भैया के जीवन वृत्त का संक्षेप में वर्णन किया।उन्होंने बताया कि भैया हिमांशु द्विवेदी ज्वाला देवी सिविल लाइंस में सत्र 2007-08 में कक्षा नवम में प्रवेश करा कर सत्र 2010-011 में इंटरमीडिएट की परीक्षा प्रथम स्थान में उत्तीर्ण करके इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक एवं हिंदी विषय से परास्नातक किया। तत्पश्चात उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीएड एवं एम. एड.की डिग्री प्राप्त करके हिंदी एवं शिक्षा शास्त्र विषय पर जेआरएफ की परीक्षा उत्तीर्ण किया। भैया हिमांशु प्रारंभ से ही मेधावी छात्र थे वे प्रत्येक परीक्षा को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करते थे वे नवोदय विद्यालय में हिंदी विषय के शिक्षक के रूप में चयनित हुए इसके बाद भैया हिमांशु द्विवेदी ने सत्र 2021 में काला कांकर डिग्री कॉलेज में हिंदी विषय के प्रवक्ता पद पर चयनित हुए थे। भैया के इस विशेष सफलता के लिए विद्यालय परिवार की ओर से उन्होंने बधाई दिया। तत्पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने अंग वस्त्रम् श्रीफल एवं युवारत्न के रूप में स्मृति चिन्ह प्रदान किया तथा छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती जो भी व्यक्ति कर्तव्यनिष्ठा लगन से मेहनत करता है उनको उनका लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्त होता है। मीडिया प्रभारी सरोज दुबे ने बताया कि इस कार्यक्रम में विद्यालय के एकादश एवं द्वादश के भैया एवं आचार्य बंधु,भगिनी उपस्थित रहें ।

चेयरमैन विजय कपूर ने विश्व विख्यात कथावाचक नलिनानंद महाराज से शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

कानपुर। खलासी लाइन स्थित शास्त्री भवन में आयोजित सप्ताहिक श्रीमद्भागवत का विश्व विख्यात कथावाचक परम पूज्य श्री नलिनानंद महाराज के द्वारा कथा का श्रवण किया जा रहा है जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर कथा का आनंद उठा रहे हैं इस बीच शहर के चेयरमैन विजय कपूर मलिक ने महाराज जी से विशेष मुलाकात करके उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और उनका कुशल क्षेम जाना इस दौरान ननिनानंद महाराज जी ने

विजय कपूर जी को अंग वस्त्र भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया इसके उपरांत महाराज जी को विजय कपूर ने अपने आवास पर आमंत्रित किया और साथ ही परिवार जनों को आशीर्वाद प्रदान करने की याचना की।

काली मठिया महाकालेश्वर प्रांगण में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

संवाददाता

कानपुर। स्वरूप नगर स्थित काली मठिया महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण बाबा महाकाल यज्ञ सेवा समिति तत्वधान में एक सप्ताहिकी श्रीमद् भागवत कथा का प्रथम दिवस आयोजित किया गया। कथावाचक श्रृद्देय अभिषेक शुक्ल जी महाराज ने श्रीमद् भागवत् का शुभारंभ महाआरती के साथ किया कथा के उपरांत उन्होंने बताया कि मनुष्य के जीवन में प्रकाश डालते हुए कहा कि इस कलियुग मे मानव

जाति अपने भावो को सत्संग के जरिये ही स्थिर रख सकता है सत्संग के बिना विवेक उत्पन्न नहीं हो सकता और सौभाग्य के सत्संग सुलभ नही हो सकता, ज्योतिषाचार्य नरेन्द्र शास्त्री ने बताया 24 वर्ष से बाबा महाकाल का वार्षिकोत्सव मनाया जा रहा है, प्रतिदिन सायं 4 से 8 रुद्राक्ष वृक्ष के नीचे भागवत् कथा होगी प्रमुख रूप से श्रीमति दीपा निगम, गीता निगम, विजयलक्ष्मी शर्मा, विष्णु कुमार झा, वीरेन्द्र मिश्र आदि ने व्यास जी को पूजन किया।

महात्मा ज्योतिबा फुले के प्रयासों से ही महिलाओं को शिक्षा का अधिकार मिला : कविता खटीक

धूमधाम के साथ मनाई गई महात्मा ज्योतिबा फुले की 196 वी जयंती

संवाददाता

हापुड़। जनपद हापुड़ में सैनी महासभा उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में एवरेस्ट वर्ल्ड स्कूल अपना घर कॉलोनी में महात्मा ज्योतिबा राव फूले जी की 196 वी जयंती बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जहां सर्वप्रथम कार्यक्रम का प्रारंभ महात्मा ज्योतिबा राव फूले के चित्र

के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर व माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रवक्ता अरुण सैनी ने ज्योतिबा फुले के सिद्धांतों के बारे में बच्चों को बताते हुए कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने जिस प्रकार शिक्षा की अलक जगाई उसी प्रकार आज हम सबको आगे बढ़कर सभी के लिए एक समान शिक्षा का अधिकार मिला है और हापुड़ जनपद में स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक हिंडाल पुर में प्रवेश परीक्षा तथा एडमिशन की प्रक्रिया प्रारंभ है जिसके लिए जो बच्चे सक्षम है जिन बच्चों ने इंटर व हाई स्कूल की है वह बच्चे पॉलिटेक्निक के लिए आवेदन कर बच्चों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी स विशिष्ट अतिथि कविता खटीक भाजपा नेत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले के प्रयासों से ही आज महिलाओं को शिक्षा का अधिकार मिला जिसके कारण आज महिलाएं उच्च पद पर आसीन है ।

डीएम ने किया नामांकन कक्षों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का लिया जायजा

संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री ने मंगलवार को नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 के लिए बनाये गये नामांकन कक्षों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रशासन, एडीएम वित्त एवं राजस्व, एडीएम आपूर्ति, सीआरओ, नगर मजिस्ट्रेट कक्ष, एसीएम-2, चकबंदी कार्यालय, एसओसी, एसडीएम सदर, तहसीलदार कक्ष, एएसडीएम आदि कक्षों में बनाये गये नामांकन केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रत्येक नामांकन कक्ष में नामांकन सामाग्री की उपलब्धता, सीसीटीवी कैमरा की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता, वीडियोग्राफी, प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था, पीने के पानी, घड़ी आदि की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने प्रत्येक नामांकन कक्ष में कम्प्यूटर आपरेटर की व्यवस्था किए जाने हेतु मुख्य राजस्व अधिकारी को निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने प्रत्येक नामांकन कक्ष में ड्यूटी पर लगाये गये अधिकारियोंध्कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की तथा एडीएम आपूर्ति को अनुपस्थित अधिकारियों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि कोई भी अधिकारी ड्यूटी से अनुपस्थित न रहें। जिलाधिकारी ने प्रत्येक नामांकन कक्ष में नो ड्यूज तथा कितने लोगो के द्वारा नामांकन पत्र लिया गया

है की जानकारी सम्बंधित अधिकारियों से प्राप्त की। जिलाधिकारी ने प्रत्येक कक्ष के सामने लगायी गयी बैरिकेटिंग का निरीक्षण किया तथा कहीं-कहीं पर बैरिकेटिंग सही से न लगाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए एडीएम सिटी को बैरिकेटिंग सही कराने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने प्रत्येक नामांकन कक्ष में आने-जाने के रास्ते का निरीक्षण एवं वहां पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने वहां पर उपस्थित पुलिस विभाग के अधिकारियों को सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने एवं बिना जांच के कोई भी व्यक्ति नामांकन कक्ष में न जाने पाये के निर्देश दिए है। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने आनंद चौराहा, कचेहरी चौराहा तथा लक्ष्मी चौराहा का भ्रमण कर वहां पर यातायात व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने वहां पर तैनात पुलिस अधिकारियों को यातायात की समुचित व्यवस्था करने तथा निर्धारित क्षेत्र में कोई भी चार पहिया वाहन न आने पाये की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने आनंद चौराहें व लक्ष्मी चौराहें के बीच की कनेक्टिंग मार्गों की भी बैरिकेटिंग कराने के निर्देश दिए है।

निर्वाचन अधिकारी ने सफीपुर में पोलिंग पार्टियों के रवानगी स्थल का किया निरीक्षण

संवाददाता

उन्नाव। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी अपूर्वा दुबे द्वारा एसपी सिद्धार्थ शंकर मीणा तथा स्थानीय अधिकारियों के साथ तहसील सदर तथा तहसील सफीपुर में संचालित नांमाकन प्रक्रिया तथा महात्मा गांधी इंटर कॉलेज सफीपुर पोलिंग पार्टियों के रवानगी स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा पोलिंग पार्टियों की रवानगी, मतगणना केन्द्रों पर पार्किंग, कन्ट्रोल रूम, स्ट्रॉंग रूम, मतगणना कक्ष, सुरक्षा एवं मतगणना कार्मिक व्यवस्था, नामांकन प्रक्रिया, टैन्टेज बैरीकेडिंग व्यवस्था आदि के संबंध में जानकारी ली गयी। इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा समस्त उप जिलाधिकारियों निर्वाचन अधिकारियों

को निर्देश दिए गए कि नांमाकन प्रक्रिया राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार ही सम्पादित की जाए। सभी तहसीलों के अन्तर्गत निर्धारित किए गए मतगणना केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करा ली जाएं। उन्होंने कहा कि नामांकन प्रक्रिया को सहज एवं सुगम बनाने के लिए समस्त तहसीलों पर आवश्यक काउन्टरों की व्यवस्था करा लें ताकि उम्मीदवारों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान एवं मतगणना को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक पुलिस फोर्स की डिमांड समय से कर ली जाए। समस्त उप जिलाधिकारी अपने क्षेत्रान्तर्गत निर्धारित बूथों पर मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करा लें ताकि मतदान के दिन पोलिंग पार्टियों को किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। निरीक्षण के दौरान एडीएम (न्यायिक) विकास कुमार सिंह, एसडीएम उन्नाव सुश्री नूपुर गोयल, एसडीएम सफीपुर शिवेन्द्र वर्मा, क्षेत्राधिकारी सदर आशुतोष कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

माफिया अतीक को लेकर प्रयागराज पुलिस रवाना, बहन ने कोर्ट में दी सरेंडर अर्जी

माफिया बोला नीयत सही नहीं, मारना चाहते है

संवाददाता

प्रयागराज। अतीक अहमद को पुलिस मंगलवार दोपहर 2.20 बजे साबरमती जेल से प्रयागराज के लिए रवाना हुई।उसे 16 दिन में दूसरी बार सड़क मार्ग से लाया जा रहा है। अतीक को उमेश पाल हत्याकांड में पूछताछ के लिए लाया जा रहा है। इसमें अतीक साजिश रचने का आरोपी है। जेल के बाहर अतीक ने मीडिया से कहा,मेरी तबीयत ठीक नहीं है। मुझे मारने के लिए ले जा रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक अतीक की जेल में मेडिकल जांच हुई, जिसमें उसे फिट पाया गया। प्रयागराज लाने के दौरान अतीक वैन में करीब 1300 किलोमीटर का रास्ता तय करेगा। सफर 22 से 24 घंटे का है।इससे पहले 26 मार्च को भी यूपी पुलिस अतीक को लाई थी। तब उमेश पाल अपहरण केस में अतीक की कोर्ट में पेशी हुई थी। इसमें अतीक को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। सजा सुनाए जाने के बाद अतीक को वापस साबरमती जेल लाया गया था।

डरा माफिया,पुलिस वैन में बैठने के बाद मीडिया से बात करते हुए हत्या की आशंका जाहिर की।

अतीक ने पुलिस वैन में बैठने के बाद मीडिया से बात की। पिछली बार की तरह ही इस बार भी उसने खुद की हत्या होने की आशंका जाहिर की।एमपीध्एमएलए कोर्ट ने उमेश पाल मर्डर केस में पूछताछ के लिए एक सप्ताह पहले बी-वारंट जारी किया था। प्रयागराज पुलिस ने बी-वारंट साबरमती जेल में दाखिल कराया था। अब पुलिस अतीक को कोर्ट में पेश करके पूछताछ के लिए उसकी रिमांड मांगेगी। यह कोर्ट पर निर्भर करता है कि वह कितने दिन की रिमांड की अनुमति देती है।

अतीक के काफिले में 35 कॉन्स्टेबल,दो प्रिजन वैन शामिल

अतीक को सड़क मार्ग से लेकर आ रही पुलिस टीम के साथ दो प्रिजन वैन हैं। टीम में 30से ज्यादा कॉन्स्टेबल शामिल हैं। इसके अलावा सादे कपड़ों में भी कुछ पुलिस जवान हैं। ये सुरक्षा कर्मी अतीक के काफिले के साथ चलेंगे। अतीक 2019 से अहमदाबाद की साबरमती जेल में बंद है।यूपी पुलिस जिस वैन से अतीक अहमद को ला रही है। उसमें बायोमीट्रिक लॉक है। यानी, गेट चुनिंदा लोग ही खोल सकते हैं।काफिला बुधवार दोपहर 12 बजे के बाद पहुंचने की उम्मीद है।

अतीक की बहन आयशा नूरी ने कोर्ट में दी सरेंडर अर्जी, 13 अप्रैल को होगी सुनवाई

मंगलवार को अतीक की बहन आयशा नूरी, भांजी उंजिला ने सीजेएम कोर्ट में वकील के जरिए सरेंडर अर्जी दी। इसके बाद कोर्ट ने मनगंज थाने से मामले में आख्या रिपोर्ट मांगी। इस सरेंडर केस पर 13 अप्रैल को कोर्ट सुनवाई करेगा। उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी पांच लाख के इनामी डॉन अतीक के बेटे असर और बमबाज गुड्डू मुस्लिम को आयशा के पति एकलाख ने अपने घर में शरण दी थी। हत्याकांड के आरोपियों को प्रयागराज में एक कार भी एकलाख व उसकी पत्नी ने मुहैया कराई थी। वहीं दिल्ली में भी एक फ्लैट दिलाने में एकलाख और आयशा की अहम भूमिका सामने आई थी। पति-पत्नी मेरठ में रहकर आरोपियों की मदद में जुटे हुए थे।

अतीक और उसके बेटे अली समेत 13 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

माफिया अतीक उसके बेटे अली समेत 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। आरोप है कि पीड़ित साबिर हुसैन से माफिया अतीक के बेटे अली और गुर्गे एक करोड़ की रंगदारी मांग रहे थे। नहीं देने पर कई बार पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी थी। माफिया अतीक, उसके बेटे अली के अलावा आसाद कालिया, शकील, शाकिर, सबी अब्बास, फैजान, सैफ नामी, अफ्फान, महमूद, माऊद एवं असलम मंत्री (अतीक अहमद का चचेरा भाई) के नाम शामिल हैं। ये मामला 147, 148, 149, 307, 386, 286, 504, 506 और 120बी के तहत दर्ज किया गया है।

घर के बाहर हुई थी उमेश पाल की हत्या

24 फरवरी को प्रयागराज में घर के बाहर उमेश पाल की गोली और बम मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में अतीक अहमद, उसका भाई अशरफ अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन, बेटा असद समेत पूरे कुनबे के खिलाफएफआईआर दर्ज हुई है। अतीक के शूटर्स के साथ ही उसका

बेटा असद उमेश को गोली मारते हुए सीसीटीवी फुटेज में नजर आया था।उमेश, बसपा विधायक राजू पाल की हत्या का मुख्य गवाह था। राजू पाल हत्याकांड में अतीक आरोपी है। पुलिस के मुताबिक इसलिए अतीक ने परिवार के साथ मिलकर हत्याकांड की पूरी साजिश रची। हत्याकांड के बाद से असद फरार है। उस पर 5 लाख का इनाम है।

मे.ग्रीनवे टेक्नोलॉजी एजेन्सी पर 5.39 लाख का अर्थदण्ड

संवाददाता, प्रयागराज। मेसर्स ग्रीनवे टेक्नोलॉजी द्वारा पैकेज संख्या-2 के अन्तर्गत नगर निगम प्रयागराज क्षेत्र के गंगा एवं यमुना नदी में गिरने वाले नालों के बायोरेमिडेशन पद्धति से शोधन का कार्य किया जा रहा है। क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षणोंपरान्त अवगत कराया गया कि एजेन्सी द्वारा नालों में प्रवाहित हो रहे सॉलिड वेस्ट की सफाई प्रतिदिन नही करायी जा रही है। एजेन्सी द्वारा कार्यों में बरती जा रही लापरवाही के कारण नगर आयुक्त, नगर निगम प्रयागराज के निर्देश पर एजेन्सी पर रूपये -5,39,000.00 का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है साथ ही निर्देशित किया गया है कि भविष्य में यदि नालों पर गन्दगी पायी जाती है तो एजेन्सी के विरूद्ध अनुबन्ध की शर्तों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

क्रमिक अनशन जारी, आयोग पर उठे सवाल

संवाददाता, प्रयागराज। लोक सेवा आयोग पर प्रतियोगी छात्रों का 7वें दिन अपना क्रमिक अनशन जारी रहा। मंगलवार को प्रतियोगी छात्र मोर्चा के बैनर तले विक्की खान के नेतृत्व में सैकड़ों प्रतियोगी छात्रों ने लोक सेवा आयोग पर लामबंद हुए।प्रतियोगियों के जोश व एकजुटता को देखते हुए आयोग के अधिकारियों ने आयोग का मुख्य गेट बंद कर दिया गया थास मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विक्की खान ने 12वीं बार अपना ज्ञापन सौंपा। जिसमें एलटी जीआईसी 2018 के शेष बचे 08 विषयों की अवशेष श्रेष्ठता सूची (द्वितीय सूची)जारी करने की मांग की गईस विक्की खान ने प्रतियोगी छात्रों को संबोधित करते हुए आयोग की उदासीनता एवं निष्क्रियता पर गुस्सा व्यक्त किया।उन्होने कहा कि यह क्रमिक अनशन तब-तक जारी रहेगा,जब तक आयोग द्वारा एलटी जीआईसी 2018 की अवशेष श्रेष्ठता सूची जारी नहीं कर दी जाती हैस आगे कहा कि 15 अप्रैल तक अगर यह सूची जारी नहीं की जाती है तो प्रतियोगी छात्र मोर्चा लोक सेवा आयोग पर आमरण अनशन शुरू करने को विवश होंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी लोक सेवा आयोग पर रहेगी।

संत की बोई फसल काट कब्जा करने में जुटे दबंग

संवाददाता, जनपद हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर नगर में रहने वाले एक संत ने कुछ दबंगों पर गेहूं की फसल काट कब्जा करने का आरोप लगा अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई है।जहां एक तरफ प्रदेश के मुखिया भूमाफिया व अवैध कब्जा करने वालों पर कमान कसने में लगे हैं वहीं जनपद हापुड़ की तहसील गढ़मुक्तेश्वर नगर निवासी संत श्याम सिंह पत्थर वाले बाबा ने अपनी जमीन पर खड़ी फसल जबरन काटने व दबंगों द्वारा जमीन पर कब्जा करने के प्रयास का आरोप लगाया है।संत ने बताया कि उनकी 4 बीघा जमीन हापुड़ सीमा से सटे गजरौला थाना क्षेत्र के गांव लठिरा में हैं जहां कुछ जहां वो अपनो एक कुटिया बनाकर रहते थे कुछ दबंगों ने कुछ माह पूर्व उनकी कुटिया में आग लगा डाली।आरोप है कि अब वो दबंग उनकी 4 बीघा गेहूं को फसल को काटने में लगे हैं। और उनकी जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं।जिसको लेकर पीड़ित संत ने थाना गजरौला व एसडीएम धनोरा के यहां शिकायती पत्र देकर दबंगों पर कार्यवाही की मांग की है।अब देखने की बात यह है कि दबंगों पर प्रसाशन क्या कार्यवाही करता है।

13 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु प्रचार प्रसार वाहन की रवानगी

संवाददाता, जनपद हापुड़ में जिला जज रविंद्र कुमार प्रथम के तत्वावधान में आगामी 13 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का फैसला सुनाया जा रहा है। जिसके चलते मंगलवार को जिला जज रविंद्र कुमार प्रथम ने जनपद में लोक अदालत का प्रचार प्रसार करने के लिए वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर दिया आपको बताया दे कि जिला जज एवं जिला विधिक सेवा अधिकार अध्यक्ष रविन्द्र कुमार प्रथम ने बताया कि आगामी 13 मई को सुबह 10. 00 बजे जनपद न्यायालय मुख्यालय, नगर तर्क हापुड़, वाह्य न्यायालय गढ़मुक्तेश्वर, न्यायालय ग्राम धौलाना, परिवार न्यायालय हापुड़, न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण कलेक्टेंट एवं जनपद की सभी तहसीलों आदि में राष्ट्रीय लोक अदालत का फैसला होगा। जिसमें पारस्परिक जुर्म संस्वीकृति के आधार पर लघु प्रकृति के दोषाधिकार वाद,अधिनियम की धारा 138, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम विवाह वाद ध् पारिवारिक वाद सहित,दीवानी वाद, मोटर दुर्घटना, प्रतिकर वाद, विधुत अधिनियम से संबंधित वाद,श्रम वाद एवं भूमि अध्यापित वाद आदि अन्य प्रकार के वादों के आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने प्रत्येक एकाधिकारवादी वाद से आगामी 13 मई को लोक अदालत में अपने वाद निस्तारण के लिए याचिका दायर करने के लिए जनपद न्यायालय में अनुरोध करने का आह्वान किया। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का प्रभार सचिव प्रीति मोगा, अपर डिस्ट्रिक्ट जज एवं नोडल अधिकारी डॉ. रीमा बंसलअन्य विजेट अधिकारी मौजूद हैं।

वार्ड नंबर 5 मोहल्ला इंदरगढ़ी मैं गलियों में भरा पानी

संवाददाता, हापुड़ जिलाधिकारी के आदेशों की सफाई कर्मी उड़ा रहे धज्जियां हापुड़ में स्वच्छ भारत मिशन को लेकर डीएम के आदेश के बाद भी नगर पालिका सफाई कर्मियों द्वारा साफसफाई व्यवस्था को लेकर प्रत्येक मोहल्ले व वार्ड में अभियान चलाया आदेश दिए हुए हैं तो वही हापुड नगर पालिका परिषद के वार्ड नंबर 5, मोहल्ला इंदरगढ़ी के गली नंबर 10 में हापुड़ जिलाधिकारी के आदेश के बाद भी हापुड़ नगर पालिका कर्मचारी साफसफाई ना करके उनके आदेशों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं आप फोटो के माध्यम से देख सकते हैं किस प्रकार सफाई ना होने के कारण नाली का पानी सड़कों पर आ गया है जहां स्कूल जाने आने वाले बच्चों के साथ-साथ आम लोगों को पानी मैं से होकर गुजर कर भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वही लोगों ने बताया कि नाली का गंदा पानी सड़कों पर भरने से मच्छर उत्पन्न हो गए हैं तथा अन्य बीमारियों होने का डर हमको सताने लग गया है और नगर पालिका सफाई कर्मचारी है डीएम के आदेशों को पलीता लगाते हुए नजर आ रहे हैं।

आचार संहिता का उल्लंघन कर बसपा से भावी प्रत्याशी ने दी शुभकामनाएं

संवाददाता, हापुड़ के साथ-साथ यूपी के अन्य जिलों में निकाय चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दो चरणों में कराने की घोषणा कर दी गई है जिसमें 4 मई व हापुड़ में 11 मई को होगा मतदान होना है लेकिन चुनाव की घोषणा के बाद आचार संहिता डर सताते हुए हापुड़ नगर क्षेत्र में सभी पार्टियों के फ्लेक्सी बोर्ड सड़कों पर से हटा दिए गए हैं लेकिन हापुड नगर पालिका परिषद चेयरमैन पद से भावी प्रत्याशी पुष्पा देवी ने शासन-प्रशासन का ना डर व आचार संहिता का उल्लंघन कर अपना प्रचार प्रसार कर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती की शुभकामनाएं भरे फ्लेक्सियो को अच्छेजा निजामपुर बाईपास चौराहे के पास लगाया हुआ है जहां जिला प्रशासन का बिना खौफसरासर आचार संहिता का उल्लंघन किया जा रहा है।

एंटीजन जांच में महिला स्वास्थ्य कर्मी कोरोना पॉजिटिव

संवाददाता, उन्नाव। उन्नाव न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यरत एक महिला स्वास्थ्य कर्मी को काफी दिनों से सर्दी, जुकाम और बुखार आ रहा था। सोमवार को उसने रैपिड एंटीजन किट से जांच कराई। जिसमें उसे कोरोना की पुष्टि हुई। कोरोना पॉजिटिव आने पर संपर्क में आने वाली सभी स्वास्थ्य कर्मियों की जांच की गई। जिसमें सभी स्वस्थ्य निकले। वहीं महिला को होम आइसोलेट किया गया है। पीएचसी में कार्यरत 35 वर्षीय महिला स्वास्थ्य कर्मी पिछले कई दिनों से बीमार चल रही थी। सोमवार को पीएचसी में उन्होंने अपनी कोविड जांच कराई। जहां एलटी अमित कुशवाहा ने उनकी रैपिड एंटीजन किट से जांच की। जिसमें उन्हें कोरोना की पुष्टि हुई।

सिंधु जल समझौते को लेकर भारत की चेतावनी से टेंशन में पाकिस्तान

एजेंसी, इस्लामाबाद। भारत ने सिंधु जल समझौते पर पाकिस्तान को अपना रुख साफ कर दिया है जिससे पाकिस्तान की टेंशन बढ गई है। जलवायु परिवर्तन मामलों की पाकिस्तानी मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि 62 साल पुरानी सिंधु जल संधि की समीक्षा पर बातचीत करने संबंधी भारत का पत्र 'अस्पष्ट है और इस्लामाबाद ने अपने उत्तर में नयी दिल्ली से स्पष्टीकरण मांगा है। गौरतलब है कि भारत ने इस साल पहली बार पाकिस्तान को नोटिस भेजकर सिंधु जल संधि की समीक्षा और सुधार की बात कही थी। जलवायु परिवर्तन मामलों की पाकिस्तान की मंत्री सीनेटर शेरी रहमान ने सीनेट को बताया कि संधि के सुधार से जुडे खत का मजमून 'अस्पष्ट है क्योंकि भारत ने पाकिस्तान पर संधि का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान सरकार मामले को समझ रही है और उसके गुण-दोष के आधार पर फैसला कर रही है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक समझौते की समीक्षा बैठक में भाग लेने वाले अधिकारियों से कहा था कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते। इस साल की शुरुआत में मोदी सरकार ने फिर से सिंधु जल समझौते पर विचार करने के संकेत दिए थे। अब इस रुख पर भारत ने पाकिस्तान से अपना पत्र साझा किया है। भारत के रुख से पाकिस्तान को अब टेंशन हो गई है। जलवायु परिवर्तन मामलों की पाकिस्तान की मंत्री सीनेटर शेरी रहमान ने सीनेट को बताया कि संधि के सुधार से जुडे खत का मजमून अस्पष्ट है क्योंकि भारत ने पाकिस्तान पर संधि का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, श्पाकिस्तान सरकार मामले को समझ रही है और उसके गुण-दोष के आधार पर फैसला कर रही है।श्श् भारत ने 27-28 जनवरी को द हेग में कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की सुनवाई से दो दिन पहले संधि में संशोधन की मांग की थी। भारत ने सिंधु जल संधि के अनुच्छेद 12 को लागू करके नोटिस दिया था। सूत्रों के अनुसार इस्लामाबाद ने अब सुनियोजित और सावधानीपूर्वक शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया भेजी है, जिसमें कहा गया है कि वह सिंधु जल के स्थायी आयोग (पीसीआईडब्ल्यू) के स्तर पर संधि के बारे में नई दिल्ली की चिंताओं को सुनने के लिए तैयार है।

म्युचुअल फंड ने वित्त वर्ष 2023 में बाजार में झोंके 1.73 लाख करोड रुपए

एजेंसी, नयी दिल्ली। म्युचुअल फंडों ने वित्त वर्ष 2023 में शेयरों में 1.73 लाख करोड रुपए झोंके हैं। फंडों की तरफसे यह निवेश तब आया, जब भारतीय शेयर बाजार की हालत खराब थी और विदेशी निवेशक तेजी से बिकवाली कर रहे थे। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास उपलब्ध आंकडों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष के 12 में से 11 महीनों में म्युचुअल फंडों ने शेयर बाजार में शुद्ध लिवाली की। पिछले वित्त वर्ष में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 35,000 करोड रुपए के शेयर बेचे। वित्त वर्ष 2022 में एफआईआई शुद्ध बिकवाल रहे थे और उन्होंने बाजार से 1.4 लाख करोड रुपए से अधिक मूल्य के शेयर बेचे थे। स्वतंत्र बाजार विश्लेषक अंबरीश बलिगा ने कहा, 'जब एफआईआई तेजी से निवेश निकाल रहे थे तब म्युचुअल फंडों द्वारा किए गए निवेश की बदौलत बाजार वित्त वर्ष 2022-23 में मजबूती से डटा रहा। म्युचुअल फंडों में ज्यादातर रकम खुदरा निवेशकों से आती है। इसलिए तत्काल रकम निकलने की आशंका कम रहती है, जिससे बाजार को स्थिरता एवं मजबूती मिलती है।' कुल मिलाकर देसी संस्थागत निवेशकों ने वित्त वर्ष 2023 में 2.56 लाख करोड रुपए मूल्य के शेयर खरीदे। डीआईआई में म्युचुअल फंड भी आते हैं। इक्विनॉमिक्स रिसर्च के संस्थापक एवं मुख्य निवेश अधिकारी चोकालिंगम कहते हैं, 'देसी स्रोतों से लगातार रकम आने से विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के बावजूद बाजार में बहुत बडी गिरावट नहीं आई। मगर हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देसी निवेशकों की तुलना में विदेशी निवेशकों से आने वाली रकम के प्रति हमारा बाजार ज्यादा संवेदनशील रहता है। यही वजह है कि देसी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारी निवेश के बाद भी बाजार का प्रदर्शन फीका ही रहा।'वित्त वर्ष 2023 में शेयर बाजार से शायद ही कोई प्रतिफल मिला। बंबई स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स और नैशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी लगभग सपाट रहे। डीआईआई द्वारा भारी भरकम निवेश के बावजूद दुनिया भर में नीतिगत दरों में बढोतरी, रूस-यूक्रेन युद्ध, महंगाई और विकसित अर्थ व्यवस्थाओं में बैंकिंग संकट जैसे कारकों से शेयरों का प्रदर्शन प्रभावित हुआ। पिछले वित्त वर्ष में अनिश्चितता और निवेशकों के कमजोर उत्साह के बावजूद खुदरा निवेशकों ने सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान्स के जरिए निवेश जारी रखा। पहले 11 महीनों में एसआईपी के जरिए कुल 1.40 लाख करोड रुपए की निवेश आया। यह वित्त वर्ष 2022 में एसआईपी के जरिए आए कुल निवेश से 14 प्रतिशत अधिक रहा। नुवामा वेल्थ के अध्यक्ष एवं प्रमुख राहुल जैन कहते हैं, 'बाजार में निवेश संबंधी रुझान में बदलाव दिख रहा है। निवेशक अब बाजार में छोटी अवधि के दांव लगाने में अधिक दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। अधिक से अधिक निवेशक समझने लगे हैं कि शेयरों में निवेश से बडा मुनाफा हासिल करना है तो लंबे समय तक निवेश बनाए रखना होगा। यही वजह है कि बैंक जमा, सोना और रियल एस्टेट के बजाय लोग शेयरों में निवेश को तरजीह दे रहे हैं।' एसआईपी से आने वाली ज्यादातर रकम इक्विटी योजनाओं में जाती है। आंकडों के अनुसार 10 प्च् में केवल 1 की रकम डेट योजना में जाती है।

अडानी टोटल गैस ने सीएनजी, पीएनजी की कीमतें घटाईं

एजेंसी, नयी दिल्ली। अडानी समूह की गैस वितरण कंपनी अडानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने शनिवार को सीएनजी की कीमत में 8.13 रुपए प्रति किलोग्राम और पाइपलाइन गैस की कीमत में 5.06 रुपए प्रति घन मीटर की कटौती करने की घोषणा की। यह बदलाव सरकार द्वारा प्राकृतिक गैस की कीमत तय करने का नया फॉर्मूला लागू करने के बाद किया गया है। प्राकृतिक गैस को मोटर वाहन चलाने के लिए सीएनजी में जबकि खाना पकाने के लिए घरेलू रसोई गैस में बदला जाता है। अडानी टोटल गैस ने एक बयान में कहा कि पाइपलाइन से आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) की कीमतें अहमदाबाद, वडोदरा एवं गुजरात के अन्य शहरों में घटा दी गई हैं। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के खुर्जा और हरियाणा के फरीदाबाद और पलवल में भी पीएनजी की कीमतें कम हो गई हैं। कंपनी ने अपने परिचालन वाले 21 शहरों में सीएनजी की कीमतें भी घटा दी हैं। इनमें गुजरात में वडोदरा से लेकर तमिलनाडु में कुडुलोर, राजस्थान में उदयपुर और मध्य प्रदेश में भिंड तक शामिल हैं। शनिवार से एटीजीएल ने सीएनजी की कीमतें 8.13 रुपए प्रति किलोग्राम तक जबकि पीएनजी की कीमतें 5.06 रुपए प्रति मानक घन मीटर तक कम कर दी हैं। एटीजीएल ने कहा कि उसने प्राकृतिक गैस की घटी हुई कीमतों का लाभ उपभोक्ताओं को देने का निर्णय लिया है। उसने कहा, अडानी टोटल गैस लिमिटेड भारत सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करती है।

मणिपाल हेल्थ में अतिरिक्त 41 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने वाली है टेमासेक : सूत्र

एजेंसी, नयी दिल्ली। सिंगापुर सरकार के स्वामित्व वाली निवेश कंपनी टेमासेक होल्डिंग्स 16,500 करोड रुपए में बेंगलुरु की फर्म मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज में अतिरिक्त 41 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने की प्रक्रिया में है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। मामले से जुडे सूत्रों के मुताबिक, टेमासेक होल्डिंग्स समर्थित शीयर्स हेल्थ के पास मणिपाल में पहले से ही 18 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अब वह मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज में अपनी हिस्सेदारी बढाने के लिए भारतीय चिकित्सा क्षेत्र का सबसे बडा सौदा करने जा रही है। इस सौदे की आधिकारिक घोषणा अगले सप्ताह हो सकती है। इस अधिग्रहण सौदे के लिए मणिपाल हेल्थ का मूल्यांकन लगभग 40,000 करोड रुपए किया गया है। इस बारे में संपर्क किए जाने पर मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज ने कोई बयान देने से इनकार कर दिया। वहीं, टेमासेक होल्डिंग्स ने कहा, नीतिगत मसला होने से टेमासेक बाजार की अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं करती है।माना जा रहा है कि मणिपाल हेल्थ के मौजूदा प्रवर्तकों- पई परिवार और टीपीजी कैपिटल सहित अन्य शेयरधारकों से शेयरों का अधिग्रहण कर इस सौदे को अंजाम दिया जाएगा। पई परिवार के पास इस समय कंपनी की 52 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो सौदे के बाद घटकर 30 प्रतिशत रह जाएगी। सूत्रों ने कहा कि इसी तरह टीपीजी कैपिटल की हिस्सेदारी भी 22 प्रतिशत से घटकर 11 प्रतिशत पर आने की उम्मीद है। दूसरी तरफ, मणिपाल में करीब आठ प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड इस सौदे के बाद पूरी तरह से बाहर हो जाएगा। वर्ष 1953 में स्थापित मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज देश के 16 शहरों में 29 अस्पतालों (लगभग 8,300 बिस्तर) का संचालन करती है। टेमासेक होल्डिंग्स के हिस्सेदारी अधिग्रहण का सौदा संपन्न होने पर भारतीय चिकित्सा जगत का सबसे बडा सौदा साबित होगा। पिछले साल मैक्स हेल्थकेयर में 27 प्रतिशत हिस्सेदारी को केकेआर ने खुले बाजार में करीब 9,100 करोडघ् रुपए में बेचा था।

ब्रिटेन में भारतवंशी शेफको मिला महाराज चार्ल्स के राज्याभिषेक समारोह का निमंत्रण

एजेंसी, लंदन। ब्रिटिश एम्पायर मेडल (बीईएम) से सम्मानित भारतवंशी एक शेफ(खानसामा) को अगले महीने लंदन में होने वाले महाराज चार्ल्स और महारानी कैमिला के राज्याभिषेक समारोह में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रण मिला है। बकिंघम पैलेस ने शनिवार को बताया कि चेफ मंजू मल्ही और 850 बीईएम से सम्मानित अन्य लोगों को राज्याभिषेक समारोह में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए काम करने वाले परोपकारी संस्था से जुडी मल्ही को कोविड-19 के दौरान लंदन में सामुदायिक सेवा के लिए बीईएम से सम्मानित किया गया था। छह मई को वेस्टमिन्स्टर ऐबी में होने वाले समारोह में बीईएम से सम्मानित लोगों के अलावा, समूचे ब्रिटेन में समुदाय के लिए अच्छा काम करने वाले लोग और परोपकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। मल्ही एक पेशेवर शेफहैं जो 'ओपन एज नामक परोपकारी संस्था में 2016 से कार्यरत हैं। यह संस्था लंदन में 50 साल या इससे ज्यादा उम्र के लोगों को अपनी सेहत और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करती है।

संयुक्त राष्ट्र में रूस को मिली शिकस्त, यूक्रेन मुद्दे पर 3 यूएन निकायों का हारा चुनाव

एजेंसी, संयुक्त राष्ट्र। रूस सप्ताह यूक्रेन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र के तीन निकायों का चुनाव हार गया, जो एक साल से अधिक समय पहले यूक्रेन पर उसके हमले के खिलाफकई देशों के कड रुख का संकेत है। चव्वन सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (इकोसॉक) में मतदान संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा रूस के खिलाफछह गैर-बाध्यकारी प्रस्तावों के अनुमोदन के बाद हुआ है। हाल के प्रस्ताव में रूस से युद्ध खत्म करने तथा अपने सैनिकों को वापस बुलाने का आह्वान किया गया था। इस प्रस्ताव को सात के मुकाबले 147 मतों से स्वीकृति मिली थी और 32 सदस्य गैर हाजिर रहे थे। इकोसॉक में महिलाओं की स्थिति पर आयोग में एक सीट के लिए हुए मतदान में रोमानिया ने रूस को परास्त कर दिया। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में बाल एजेंसी यूनिसेफके कार्यकारी बोर्ड के सदस्य को लेकर हुए मतदान में रूस एस्टोनिया से हार गया। अपराध रोकथाम एवं आपराधिक न्याय पर आयोग की सदस्यता के लिए गुप्त मतदान में आर्मेनिया और चेक गणराज्य से उसे शिकस्त मिली।

पाकिस्तानी वित्त मंत्री ने अमेरिका का दौरा किया रद्द

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तानी वित्त मंत्री इशाक डार ने देश में राजनीतिक अनिश्चितता और न्यायिक संकट के बीच अपना अमेरिका दौरा रद्द कर दिया है। मीडिया की एक रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई है। इस यात्रा के दौरान, डार का विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की बैठकों में भाग लेने तथा 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर के रहत पैकेज के संबंध में अधिकारियों के साथ बातचीत करने का भी कार्यक्रम था। एक्सप्रेस ट्रिब्यून नामक समाचार पत्र ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि डार वाशिंगटन में 10 से 16 अप्रैल के बीच होने वाली विश्व बैंक और आईएमएफकी बैठकों में भाग नहीं लेंगे। समाचार पत्र ने डार के हवाले से कहा, मैं घरेलू परिस्थितियों के कारण नहीं जा रहा हूं। खबर के अनुसार देश की राजनीतिक अनिश्चितता और न्यायिक संकट के मद्देनजर डार की वाशिंगटन यात्रा रद्द कर दी गई। सूत्रों के अनुसार आर्थिक मामलों के मंत्री सरदार अयाज सादिक भी मौजूदा अनिश्चित राजनीतिक स्थिति के कारण अमेरिका की यात्रा पर नहीं जाएंगे। आर्थिक मामलों के मंत्री ही विश्व बैंक में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं।

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेशकों के लिए खुशखबरी

केनरा बैंक दे रहा 7.75 प्रतिशत तक ब्याज

एजेंसी, नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने हाल ही में फिक्स्ड डिपॉजिट पर इंटरेस्ट रेट में बदलाव किया है। बैंक ने रिजर्व बैंक मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक से ठीक एक दिन पहले 5 अप्रैल को इसे चेंज किया है। बैंक अब 2 करोड से कम के रीटेल टर्म डिपॉजिट पर मिनिमम 4 फीसदी और मैक्सिमम 7.25 फीसदी का ब्याज ऑफर कर रहा है। सीनियर सिटीजन के लिए मिनिमम इंटरेस्ट रेट 4 फीसदी और मैक्सिमम रेट 7.75 फीसदी है। बैंक ने बल्क डिपॉजिट यानी 2 करोड से ज्यादा के एफडी पर भी ब्याज दरों में बदलाव किया है। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने हाल ही में फिक्स्ड डिपॉजिट पर इंटरेस्ट रेट में बदलाव किया है। बैंक ने रिजर्व बैंक मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक से ठीक एक दिन पहले 5 अप्रैल को इसे चेंज किया है। बैंक अब 2 करोड से कम के रीटेल टर्म डिपॉजिट पर मिनिमम 4 फीसदी और मैक्सिमम 7.25 फीसदी का ब्याज ऑफर कर रहा है। सीनियर सिटीजन के लिए मिनिमम इंटरेस्ट रेट 4 फीसदी और मैक्सिमम रेट 7.75 फीसदी है। बैंक ने बल्क डिपॉजिट यानी 2 करोड से ज्यादा के एफडी पर भी ब्याज दरों में बदलाव किया है। 444 दिनों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट के लिए 7.25 फीसदी, 1 साल 1 दिन से लेकर 2 साल से कम के एफडी पर 6.90 फीसदी, 2 साल से लेकर 3 साल से कम के एफडी पर 6.85 फीसदी, 3 साल से लेकर 5 साल से कम के एफडी पर 6.80 फीसदी, 5 साल से लेकर 10 साल तक के एफडी पर 6.70 फीसदी का ब्याज ऑफर किया जा रहा है।

बाइडन प्रशासन ने अफगानिस्तान से सेना की वापसी का बचाव किया

एजेंसी, वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने के अपने फैसले का बचाव किया और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर ऐसे हालात पैदा करने का आरोप लगाया जिनकी वजह से ''बाइडन को विवश होकर'' 2021 में युद्धग्रस्त देश से अव्यवस्थित तरीके से सैनिकों को वापस बुलाना पड़ा। व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार को उन स्थितियों पर 12 पन्नों का एक दस्तावेज जारी किया, जिसके कारण 2021 में अमेरिका को अफगानिस्तान छोड़ना पड़ा और विभिन्न कांग्रेस समितियों को संबंधित गोपनीय दस्तावेज भेजे। रिपोर्ट में अधिकतर कारणों के लिए पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन को दोषी ठहराते हुए कहा गया कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के फैसलों के कारण राष्ट्रपति बाइडन ''अत्यंत विवश'' हो गए थे।रिपोर्ट के अनुसार, ''अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी को लेकर उनके पूर्ववर्ती ने ऐसे हालात पैदा किए थे कि उन्हें उसी तरह से अंजाम देने के लिए राष्ट्रपति बाइडन विवश थे।'' ट्रंप प्रशासन ने तालिबान के साथ सैन्य वापसी के समझौते पर बातचीत की, जिस पर चलने का बाइडन ने वादा किया था। हालांकि बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में इस समझौते को अंजाम देने की योजना में कमी के लिए रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति की आलोचना की गई।रिपोर्ट के अनुसार, जब बाइडन ने 20 जनवरी 2021 को पदभार संभाला ''तब 2001 के बाद से तालिबान सबसे मजबूत सैन्य स्थिति में था।

राष्ट्रपति त्साई-मैक्कार्थी बैठक से चिढा चीन, धमकाने के लिए फिर ताइवान भेजे दर्जनों लडाकू विमान

एजेंसी, बीजिंग। चीन ने ताइवान की तरफयुद्धपोत और दर्जनों लडाकू विमान भेजे। ताइवान की सरकार ने यह जानकारी दी। चीन ने यह कदम ताइवान के राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन और अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी की मुलाकात के जवाब में उठाया। चीन दावा करता है कि ताइवान उसका हिस्सा है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने कहा कि 'लडाकू तैयारी से संबंधित तीन दिवसीय गश्त की शुरुआत ताइवान के लोगों के लिए एक चेतावनी है। पीएलए ने यह संकेत नहीं दिया कि वह इस गश्त में पिछले अभ्यास की तरह मिसाइलों को शामिल करेगा या नहीं, जिससे क्षेत्र में समुद्री और हवाई परिवहन प्रभावित हुआ था। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष मैक्कार्थी ने बृहस्पतिवार को कैलिफोर्निया में राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन के साथ बातचीत की थी। इसी के साथ वह उन विदेशी जनप्रतिनिधियों में शामिल हो गए थे, जो चीन की धमकी के बीच वेन से मिले। बीजिंग ने मैक्कार्थी और वेन की मुलाकात के बाद शुक्रवार को ताइवानी राष्ट्रपति के अमेरिका दौरे से जुडे अमेरिकी समूहों और व्यक्तियों के खिलाफ यात्रा एवं वित्तीय प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ताइवान के पास शनिवार को आठ युद्धपोत और 42 विमान देखे गए, जिनमें से 29 ने जलडम-मध्य की मध्य रेखा को पार किया। यह रेखा ताइवान और मुख्य भूमि चीन को अलग करती है। पीएलए ने एक बयान में कहा, यह ताइवान की अलगाववादी ताकतों और बाहरी ताकतों के बीच मिलीभगत और उकसावे के खिलाफ एक गंभीर चेतावनी है। 'ज्वाइंट स्वोर्ड अभ्यास राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए जरूरी है। वहीं, ताइवान की सेना ने कहा कि मिसाइल रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है और चीनी विमानों का पता लगाने के लिए हवाई और समुद्री गश्ती दल भेजे गए हैं।

इंडिगो की दिल्ली-बेंगलुरु विमान में यात्री ने शराब के नशे में बीच हवा मे खोल दिया आपात निकास द्वार

एजेंसी, नयी दिल्ली। फ्लाइट में विवादित मामले थमने का नाम नहीं ले रहे। एक बार फिर से इंडिगो फ्लाइट में एक नशे में धुत्त शख्स की बड़ी लापरवाही देखने को मिली। दरअसल, इंडिगो की उड़ान से दिल्ली से बेंगलुरु जा रहे कानपुर के 30 वर्षीय यात्री को बीच हवा में विमान का आपात द्वार खोलने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कानपुर के पत्रकारपुरम निवासी राजेश कुमार का पुत्र प्रतीक इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-308 में यात्रा कर रहा था। अधिकारी के मुताबिक, प्रतीक 18-एफ सीट पर बैठा था और नशे की हालत में था। उन्होंने बताया, शराब के नशे में धुत प्रतीक ने विमान में बैठे अन्य यात्रियों को परेशान करने की कोशिश की और आपात निकास द्वार को खोलने का प्रयास किया।श्श् अधिकारी के अनुसार, चालक दल के एक सदस्य तेजस्वी शाह की शिकायत पर प्रतीक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 290 और 336 तथा विमानन अधिनियम की धारा 11 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इंडिगो एयरलाइंस ने भी एक बयान में कहा कि दिल्ली से बेंगलुरु जा रही 6ई 308 उड़ान में यात्रा कर रहे एक यात्री ने नशे की हालत में आपातकालीन निकास द्वार को खोलने का प्रयास किया था। इंडिगो ने कहा, इस उल्लंघन का पता चलने पर विमान में मौजूद चालक दल के सदस्य ने कप्तान को सतर्क किया और यात्री को उचित रूप से सावधान किया गया। उक्त उड़ान के सुरक्षित संचालन से कोई समझौता नहीं किया गया और बेंगलुरु पहुंचने पर दुर्व्यवहार करने वाले यात्री को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंप दिया गया।

यूएन ने तालिबान के महिला कर्मियों पर प्रतिबंध का किया विरोध, घर पर रहे 3300 अफगान कर्मी

लॉस एंजलिस। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि देश में संयुक्त राष्ट्र की महिला कर्मियों पर तालिबान के प्रतिबंध लगाने के फैसले पर विरोध जताने तथा दबाव बनाने के इरादे से बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी 3,330 अफगान पुरुष एवं महिला कर्मी घर पर रहे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने तालिबान की कार्रवाई पर एक आपात बैठक आयोजित की और उसे अपने फैसले को बदलने के लिए दबाव डाला। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने संयुक्त राष्ट्र के इस आग्रह को दोहराया कि लाखों लोगों को जीवन रक्षक सहायता पहुंचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सभी कर्मचारियों की आवश्यकता है। उन्होंने फिर से जोर देकर कहा कि ''अफगान महिलाओं की जगह पुरुषों को नहीं रखा जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र अफगान महिलाओं की जगह अंतरराष्ट्रीय महिलाओं को भी नहीं लाना चाहता, जिन पर देश में काम करने पर प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक रूप से यह हमेशा बेहतर होता है कि किसी देश के नागरिक अपनी स्थानीय आबादी को सहायता प्रदान करें। संयुक्त राष्ट्र के पास अफगानिस्तान में लगभग 3,900 कर्मचारी है, जिसमें लगभग 3,300 अफगान और 600 अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी शामिल हैं। इनमें 600 अफगान महिलाएं और अन्य देशों की 200 महिलाएं भी शामिल हैं। तालिबान प्रतिबंध पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बंद कमरे में हुई बैठक में सदस्यों को अफगानिस्तान के महासचिव के विशेष प्रतिनिधि रोजा ओटुनबायेवा ने जानकारी दी, जिन्होंने बुधवार को तालिबान के विदेश मंत्री, अमीर खान मुत्तकी के साथ वार्ता का नेतृत्व किया, ताकि वे अपने फैसले को वापस लेने का आह्वान कर सकें। एक और प्रयास के तौर पर देखता है।

राम चरण के बचपन का ये सपना हुआ पूरा, सलमान खान से है उसका सीधा नाता

बॉलीवुड

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म किसी का भाई किसी की जान इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म का नया सॉन्ग 'येंतम्मा' रिलीज होते ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। इस गाने की सबसे खास बात ये है कि इस सॉन्ग में सलमान खान के साथ साउथ सुपरस्टार्स राम चरण और दग्गुबाती वेंकटेश नजर आ रहे हैं। तीनों सुपरस्टार्स सॉन्ग में साउथ इंडियन लुक में काफी हैंडसम लग रहे हैं। सोशल मीडिया पर 'येंतम्मा' सॉन्ग ने कम ही वक्त में धूम मचा दी है। इस गाने को अब तक करीब 43 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं। किसी का भाई किसी की जान में राम चरण के इस कैमियो की चर्चा चारों तरफ हो रही है। ऐसे में राम चरण ने खुद सलमान खान संग डांस करने और अपने नए गाने को लेकर खुलकर बात की। बता दें कि राम चरण अपनी सुपरहिट फिल्म आरआरआर को लेकर खबरों में बने हुए हैं। आरआरआर के गाने नाटू-नाटू ने आस्कर अवॉर्ड जीतक दुनियाभर में देश का नाम रौशन कर दिया है। इस गाने में राम चरण और जूनियर एनटीआर के डांस की खूब तारीफ हो रही है। आरआरआर की सक्सेस के बाद अब राण चरण सुपरस्टार सलमान की फिल्म में अपने डांस का तड़का लगाते दिख रहे हैं। बॉलीवुड के भाईजान यानि सलमान खान के साथ डांस करने के अपने एक्सपीरियंस को एक छोटे बच्चे का सपना पूरा होने जैसी फीलिंग बताई है। 'येंतम्मा' में सलमान संग डांस करने को लेकर साउथ स्टार ने अपनी फीलिंग शेयर करते हुए कहा कि ये गाना एक ब्लास्ट है, ये सबसे अच्छे गानों में से एक है। आप लोग इस गाने का जश्न मनाने जा रहे हैं। एक छोटे बच्चे का सपना जो सच हो गया। इस गाने को करने में मजा आया। बहुत बहुत धन्यवाद सलमान भाई। लव यू सो मच। येंतम्मा' सॉन्ग पूरे इंटरनेट पर धमाल कर रहा है और इस गाने में तीनों सुपरस्टार्स के लुक की भी जमकर तारीफ हो रही है। इस सॉन्ग को पायल देव ने कंपोज किया है और इसे रफ्तार, विशाल ददलानी और पायल देव ने गाया है। सॉन्ग के लिरिक्स शब्बीर अहमद के हैं और सॉन्ग को कोरियोग्राफ जानी मास्टर ने किया है। सलमान खान की आगामी फिल्म किसी का भाई किसी की जान 21 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म सालार का इंतजार आखिरकार हुआ खत्म

किस दिन रिलीज होने जा रही है प्रभास की मोस्ट अवेटेड फिल्म

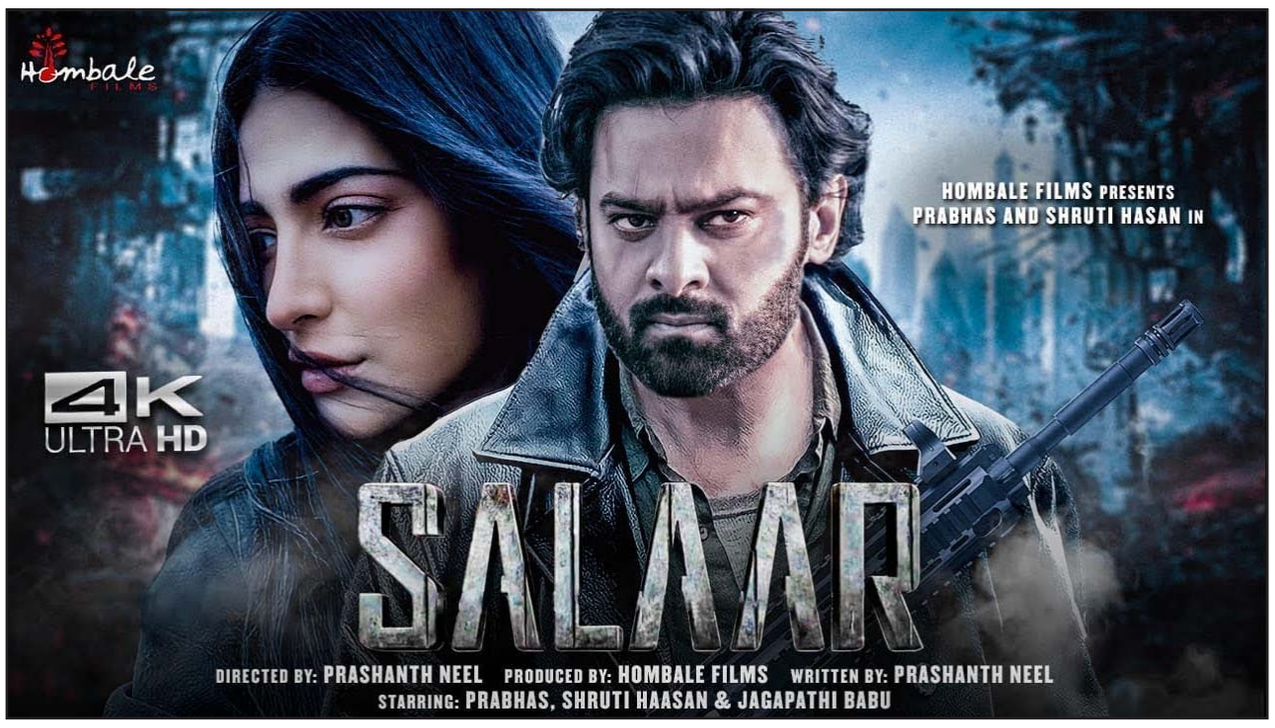

बाहुबली और बाहुबली 2, ये दो ऐसी फिल्में थीं जिसने प्रभास को पैन इंडिया स्टार बना दिया। इस फिल्म से प्रभास के फिल्मी करियर को जो टर्निंग पॉइंट मिला उसका जलवा और चर्चे तो हम सभी ने देखे। और अब बीते कुछ समय से वो लगातार अपनी अपकमिंग फिल्म आदिपुरुष को लेकर खबरों मे चल रहे हैं। पहले भी इस फिल्म को विवादों का सामना करना पड़ गया था। वहीं अब इस फिल्म से हाल ही में पवनपुत्र हुनमान का नया पोस्टर सामने आने के बाद फिल्म फिर से विवादों में घिर गई। इसी बीच प्रभास की आगामी फिल्म सालार की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। सालार प्रभास के करियर की एक ऐसी फिल्म है, जिसका लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। लोगो के बीच ये फिल्म और इसकी स्टोरी जानने का क्रेज बेहद ज्यादा हैं। पहले तो ये फिल्म सितंबर में रिलीज होने वाली थी। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में ऐसा कहा जा रहा था कि इसके डेट में बदलाव हो सकता है। हालांकि मेकर्स की तरफ से एक वीडियो जारी करते हुए सालार की रिलीज डेट बताई गई है। मेकर्स ने जो वीडियो जारी किया है, उसमें प्रभास को सबसे हिंसक आदमी बताया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, आपके दिमाग को उड़ाने फुल पैकेज के साथ सबसे हिंसक आदमी जल्द आ रहा है. बता दें, यह फिल्म 28 सितंबर को रिलीज होगी। सालार में प्रभास एक अलग अवतार में नजर आने वाले हैं। वहीं जो लोग इस फिल्म का इंतजार कर कर रहे हैं, इस रिलीज डेट ने उन सभी की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होने वाली है, जिसमें प्रभास के साथ श्रुति हसन नजर आएंगी। गौरतलब, सालार से पहले आदिपुरुष फिल्मी पर्दो पर जलवे बिखेरती दिखेगी। ये फिल्म 16 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं। हालांकि यह फिल्म रिलीज के पहले से ही लगातार काफी विवादों में चल रही है। इसमें प्रभास के साथ कृति सेनन और सैफ अली खान जैसे सितारे मुख्य भूमिका में दिखने वाले हैं।

प्रीति जिंटा ने लिया मां कामाख्या देवी का आशीर्वाद

बॉलीवुड की डिंपल गर्ल कहे जाने वाली एक्ट्रेस प्रीति जिंटा काफी टाइम से बड़े पर्दे से दूर हैं लेकिन एक्ट्रेस फिर भी चर्चा का हिस्सा बनी रहती हैं। सिल्वर स्क्रीन से दूर होने के बाद प्रीति सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी तस्वीरें और वीडियो अपने चाहने वालों के साथ शेयर करती रहती हैं। प्रीति हाल ही में गुवाहाटी के फे मस कामाख्या मंदिर पहुंची थी जहां से उनकी कई तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं।प्रीति जिंटा अपनी एक्टिंग और सुंदरता के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस के गाल पर पड़ने वाले डिंपल पर तो कोई भी अपना दिल हार जाता है। हाल ही में प्रीति गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर में दर्शन करने पहुंची थी। एक्ट्रेस ने अब इंस्टाग्राम पर अपनी मंदिर यात्रा की एक झलक फैं स के साथ शेयर की है जिसमे वो काफी प्यारी लग रही हैं। प्रीति जिंटा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों के कोलॉज वाला एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वो कामाख्या मंदिर के परिसर में नजर आ रही हैं।पिकं कलर के सूट में प्रीति काफी खूबसूरत लग रही हैं और उन्होंने अपने सिर को दुप्पटे से ढ़का हुआ है। हालांकि सेफ्टी को देखते हुए एक्ट्रेस ने अपने फे स पर मास्क भी लगाया हुआ है। प्रीति की इस क्लिप में मंदिर के अलावा वहां की आस-पास की दुकानें और एक तालाब भी झलक भी देखने को मिल रही है। इसी के साथ वीडियो कोलाज में प्रीति को एक संत से गिफ्ट के तौर पर में कामाख्या मंदिर की मूर्ति लेते हुए भी देखा जा सकत है। वीडियो के बैकग्राउंड म्यूजिक में उन्होंने 'रथ्स ऑफ फायर' को एड किया है।वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, गुवाहाटी जाने का मेरा एक कारण फे मस कामाख्या देवी मंदिर जाना था। भले ही हमारी फ्लाइट कई घंटों के लिए लेट थी और मैं पूरी रात जागी थी। लेकिन जब मैंने मंदिर में एंट्री की तो ये सब वर्थी लगा... जब मैं वहां गई तो मुझे बहुत पावरफुल वाइब्रेशन और शांति महसूस हुई।

आयुष्मान खुराना से लेकर अदिति राव हैदरी तक, ये बी-टाउन सेलेब्स पहुंचे 'जुबली' की स्पेशल स्क्रीनिंग देखने

विक्रमादित्य मोटवाने की मोस्ट अवेटेड सीरीज जुबली 7 अप्रैल से ओटीटी पर स्ट्रीमिंग हो चुकी है। रिलीज से एक दिन पहले मुंबई में सीरीज की स्क्रीनिंग होस्ट की गई थी। जिसमें बी टाउन के तमाम सेलेब्स अपनी शिरकत देने पहुंचे इस स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए हर एक बी-टाउन स्टार का लुक देखने लायक था। सब किसी चमचमाते सितारे से कम नहीं दिखे। विक्रमादित्य मोटवाने की सीरीज 'जुबली' की स्क्रीनिंग पर चंकी पांडेय की दुलारी अनन्या पांडे भी काफी अट्रैक्टिव लुक में पहुंची थीं। एक्ट्रेस ने क्रीम पैंट्स के साथ बेज कलर का टॉप पेयर किया था और ब्लैक हैंडबैग भी लिया हुआ था। जिसमे उनका लुक काफी क्लासी दिखा। अनन्या ने अपने बालों को खुला छोड़ा हुआ था और साथ ही हील्स पहन अपने लुक को कंपलीट किया हुआ था। स्क्रीनिंग के दौरान एक्ट्रेस ने शटरबग्स को जमकर पोज भी दिए। एक्ट्रेस सनाया मल्होत्रा भी जुबली की इस स्पेशल स्क्रीनिंग में अपनी शिरकत देने पहुंची। सनाया ने पर्पल कलर का स्किन टाइट स्लीवलेस गाउन पहना हुआ था और अपने बालों का बन बनाया हुआ था। इस लुक में वे काफी अट्रैक्टिव लग रही थीं और साथ ही बेहद ही बोल्ड भी। 'जुबली' में बिनोद दास उर्फ सुपरस्टार मदन कुमार की भूमिका निभाने वाले अपारशक्ति खुराना अपनी पत्नी आकृति आहूजा के साथ अपने शो की स्क्रीनिंग देखने को पहुंचे थे। इस दौरान अपार ने ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट पहना था वहीं उनकी वाइफ ने व्हाइट क्रॉप टॉप के साथ व्हाइट पैंट पेयर की थी जिसमे दोनों का लुक काफी अच्छा लगा। शो में सुपरस्टार सुमिता कुमारी का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी अपने रियल लाइफ रूमर्ड बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ के साथ पहुंची थीं जहा उन्हें देख सबने उनकी जोड़ी को भी खूब कॉम्प्लिमेंट्स दिए जिन्हे सुन एक्ट्रेस थोड़ा शर्मा गई। स्क्रीनिंग में अदिति ब्लैक एंड गोल्डन कॉम्बिनेशन का अनारकली सूट पहनकर आई थीं। उन्होंने कानों में बड़े झुमके पहने हुए थे और बालों को खुला छोड़ा था। इस लुक में वे बेहद खूबसूरत लग रही थीं। वहीं सिद्धार्थ ने व्हाइट शर्ट के साथ स्काई ब्लू पैंट पेयर की थी। जुबली की स्क्रीनिंग में एक्टर राहुल बोस भी कैजुअल लुक में स्पॉट किए गए। तो वही भीड़ एक्टर राजकुमार राव भी अपनी पत्नी पत्रलेखा के साथ जुबली की स्क्रीनिंग में पहुंचे थे, इस दौरान कपल ने ब्लू कार्पेट पर जमकर पोज दिए और दोनों ही कैसुअल लुक में नजर आये। जुबली की स्क्रीनिंग में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती भी काफी स्टाइलिश लुक में पहुंची थीं. एक्ट्रेस ने ब्लू डेनिम टॉप के साथ बेज कलर की कार्गो पेयर की थी और स्लिंग बैग भी लिया हुआ था। एक्ट्रेस जोया मोरानी भी इंडियन लुक में जुबली की स्क्रीनिंग पर स्पॉट की गईं। रसिका दुग्गल ने भी ऑल ब्लैक लुक में जुबली की स्क्रीनिंग में शिरकत की। मिनी माथुर और स्यानी गुप्ता भी जुबली की स्क्रीनिंग में ग्लैमर का तड़का लगाती हुई नजर आईं. दोनों ने एक साथ कैमरे के लिए पोज भी दिए।

बॉलीवुड

युट्यूबर, अरमान मलिक ने व्लॉग के जरिए बताया न्यू बॉर्न बेबी का प्यारा नाम

फेमस युट्यूबर, अरमान मलिक खुद में ही एक बहुत बड़ी सनसनी हैं और सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर उनके फै स देखने को मिलते हैं। बता दें एक्टर के 2 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स है, वही यूट्यूब पर एक्टर लोगों को एंटरटेन करते नजर आते है। अपनी दो पत्नियों, पायल और कृतिका और एक बेटे, चिरायु मलिक के साथ अरमान खुशी से रह रहे है। पायल और कृतिका प्रेगनेंट हैं, और अब, कुछ समय पहले, ल्वनज्नइमत ने अपनी दूसरी पत्नी के बच्चे की जन्म की घोषणा करके अपने फै स को चौंका दिया। जहां अरमान ने बीते दिनो पहले अपने इंस्टा हैंडल पर अपनी पत्नियों के मैटरनिटी फोटोशूट की अट्रैक्टिव फोटोस पोस्ट कीं और पिता बनने की खबर की घोषणा की। वही तस्वीरों के साथ, अरमान ने खुलासा किया कि उनकी दूसरी पत्नी कृतिका मलिक ने बेटे को जन्म दिया है। वही पहली बार माँ बनकर कृतिका काफी खुश है।ऐसे में इस खुशी के मौके पर अरमान मालिक की तरफ से एक और व्लॉग सामने आया है जिसमे अरमान मालिक की पहली पत्नी पायल मालिक ने बताया है कि वो लोग न्यू बोर्न बेबी का फे स कब दिखाने वाले है इसके साथ ही इस व्लॉग में उन्होंने कृतिका के बच्चे का नाम भी बताया है। बता दे अरमान मालिक की दूसरी बीवी कृतिका ने 6 अप्रैल को एक बेटे को जन्म दिया था इस बात की पुष्टि इन्होने अपने यूट्यूब व्लॉग के जरिए शेयर करते हुए दी थी। वही एक और सामने आये व्लॉग में उन्होंने बताया है कि उनका बाय बिल्कुल ठीक है वही इस व्लॉग में उन्हें अपने न्यू बेबी बॉय का नाम 'जैद मलिक' बुलाते हुए देखा गया। इससे इस बात का साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि अरमान अपने बच्चे का नाम 'जैद मलिक' रखने वाले है। अरमान इस व्लॉग में कहते है कि उनका जैद मलिक बहुत रो रहा था और पायल ने उसे एक मिनट में चुप करा दिया. अरमान ने बेबी को चुप कराने का जिम्मा पायल को दे दिया। बता दे वीडियो की शरुवात में पायल कहती है कमेंट के जरिये लोग उनसे उनके बेबी का चेहरा दिखने के लिए कह रहे है ।

स्टार एक्सप्रेस
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक नरेन्द्र कुमार द्वारा सांई ऑफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन, कैसरबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं एमजी-18, सेक्टर-सी, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक: नरेन्द्र कुमार । (पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. No.- UPHIN/2008/24076 Email Id : starexpressnews@gmail.com